mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-241 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
31 अगस्त 2024 शनिवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर
सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

राहुल नीलामी...
@ पेज 7

चिराग, चंद्रबाबू के बाद नीतिश की पार्टी ने त्योरी भौंह

वक्फ संशोधन विधेयक पर बढ़ने वाली है बीजेपी की टेंशन

पटना (एजेंसी)। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर बीजेपी को एक और सहयोगी से झटका लगता दिख रहा है। केंद्र में नरेंद्र मोदी की तीसरी बार सरकार बनाने में अहम सहयोगी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर चिंता जताई है। गौर करने वाली बात यह है कि एनडीए खेमे में जेडीयू तीसरी पार्टी है जिसने इस बिल को लेकर अपनी अलग राय रखी है। इससे पहले चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) इस विधेयक पर सवाल उठा चुकी है। वहीं आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी ने भी इससे नाखुश है। माना जा रहा है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार की पार्टी जेडीयू 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की 18 फीसदी मुस्लिम आबादी को नाखुश नहीं करना चाहती है। इसलिए वह प्रस्तावित कानून में बदलाव चाहती है। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर जेडीयू का रेड सिग्नल इसलिए मायने रखता है क्योंकि लोकसभा की कार्यवाही के दौरान केंद्रीय मंत्री और जेडीयू के संसदीय दल के नेता राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने खुलकर इस बिल का समर्थन किया था। जेडीयू सांसद राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने इस महीने की शुरुआत में लोकसभा में एक बहस के दौरान कानून के पक्ष में बात की थी। ललन सिंह ने संशोधनों को पारदर्शिता के लिए एक बहुत जरूरी उपाय बताया। हालांकि, तब से जेडीयू के गुटों में असंतोष है।

बड़ा संकट! सुप्रीम कोर्ट में 83 हजार केस पेंडिंग

- यह अब तक की सबसे बड़ी संख्या, हाईकोर्ट और ट्रायल कोर्ट में भी 5 करोड़ केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट में 82,831 केस पेंडिंग हैं। यह अब तक पेंडिंग केसों की सबसे बड़ी संख्या है। अकेले 27,604 पेंडिंग केस पिछले एक साल के अंदर दर्ज हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट में 2024 में 38,995 नए केस दर्ज किए गए। इनमें से 37,158 केसों का निपटारा हुआ। पिछले 10 साल में 8 बार पेंडिंग केस की संख्या बढ़ी है। 2015 और 2017 में पेंडिंग केस कम हुए। वहीं हाईकोर्ट में 2014 में कुल 41 लाख पेंडिंग केस थे, जो बढ़कर अब 59 लाख पहुंच गए हैं। पिछले 10 सालों में केवल एक बार पेंडिंग केस कम हुए। ट्रायल कोर्ट में 2014 में 2.6 करोड़ मामले केस पेंडिंग थे जो अब 4.5 करोड़ हैं।

संक्षिप्त समाचार

आपका जवाब नहीं मिला...

ममता बनर्जी ने पीएम मोदी को दोबारा लिखा पत्र

- बंगाल सीएम बोलीं- संवेदनशील मुद्दे पर चुप्पी सही नहीं

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर उनसे बलात्कार के मामलों में 15 दिन की सुनवाई और अनुकरणीय सजा का मार्ग प्रशस्त करने के लिए सख्त केंद्रीय कानून लाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के संवेदनशील मुद्दे के बावजूद उन्हें प्रधानमंत्री से कोई जवाब नहीं मिला है। सीएम

ने बलात्कार और हत्या जैसे जघन्य अपराधों से निपटने के लिए कड़े कानून की आवश्यकता पर जोर दिया। सीएम ममता बनर्जी ने पत्र में लिखा, कृपया मेरा पत्र संख्या 44-सीएम दिनांक 22 अगस्त, 2024 (कॉपी अटैच है) को देखें, जिसमें बलात्कार की घटनाओं पर कठोर केंद्रीय कानून की आवश्यकता और ऐसे अपराधों के अपराधियों को अनुकरणीय दंड देने की आवश्यकता के बारे में बताया गया है। उन्होंने कहा, इस तरह के संवेदनशील मुद्दे पर आपकी तरफ से कोई जवाब नहीं मिला है। हालांकि, भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्री से एक उत्तर मिला है, जो मेरे पत्र में उठाए गए मुद्दे की गंभीरता को बमुश्किल दर्शाता है।

जुमे की नमाज के लिए नहीं होगा दो घंटे का ब्रेक

- असम विधानसभा में मुस्लिम विधायकों को मिलने वाली सुविधा पर लगाई रोक

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम सरकार ने जुमे वाले दिन मुस्लिम विधायकों और विधानसभा के मुस्लिम कर्मचारियों को नमाज के लिए दी जाने वाली दो घंटे की छुट्टी पर रोक लगाने का फैसला किया है। इसकी जानकारी राज्य के सीएम हिमंत बिस्व

सरमा ने एक्स पोस्ट के जरिए दी है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने एक्स पोस्ट कर कहा कि 2 घंटे के जुमा ब्रेक को खत्म करके असम विधानसभा ने प्रोडक्टिविटी को प्राथमिकता दी है और औपनिवेशिक बोझ के एक और निशान को हटा दिया है। उन्होंने कहा कि इस प्रथा की शुरुआत मुस्लिम लीग के सैयद सादुल्ला ने साल 1937 में की थी।

अब भीषण 'तूफान' की आशंका से डरा गुजरात

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरब सागर में 48 साल बाद अगस्त में चक्रवाती तूफान की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग ने शुक्रवार सुबह कहा- गुजरात के करीब

- **भारी बारिश के बाद दूसरा संकट, कच्छ में खाली कराए गए घर**
- **75 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं, 12 घंटे असर**

यह तूफान 12 घंटे में देखने को मिल सकता है। तूफान का सबसे ज्यादा असर गुजरात के कच्छ में दिखेगा। यहां 65 से 75 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। तूफान के चलते राजकोट, जामनगर, पोरबंदर, जूनागढ़, द्वारका में भी भारी बारिश का अलर्ट है। कच्छ और राजकोट में स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। कच्छ में कच्चे मकानों में रह रहे लोगों को घर खाली करने का आदेश दिया है। कलेक्टर ने कहा है कि जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें। गुजरात में एक हफ्ते से जारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बने हुए हैं। यहां 4 दिन 32 लोगों की जान गई है। एनडीआरएफ-एसडीआरएफ के बाद सेना को भी तैनात किया गया है। मौसम विभाग ने बताया कि सौराष्ट्र और कच्छ के ऊपर बना गहरे दबाव का क्षेत्र (डीप डिप्रेशन) अरब सागर की ओर शिफ्ट

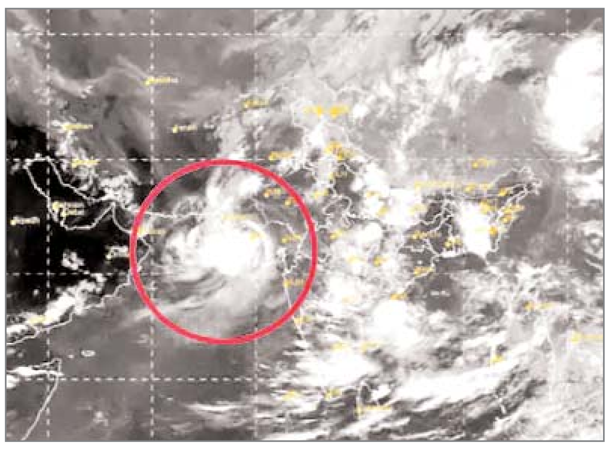

होते हुए चक्रवाती तूफान में बदलता दिख रहा है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया था कि यह डीप डिप्रेशन कमजोर हो जाएगा, लेकिन शुक्रवार सुबह तक यह और स्ट्रॉन्ग होकर तूफान में बदलता दिख रहा है। इस तूफान का गुजरात में लैंडफॉल नहीं होगा। दरअसल, आमतौर पर तूफान समुद्र से जमीन की ओर आता है, लेकिन इस बार तूफान जमीन से समुद्र की ओर जाते दिख रहा है। अगले 12 घंटे में यह डीप डिप्रेशन पूरी तरह से तूफान में बदल सकता है। अगर ऐसा हुआ, तो इसका नाम असना रखा जाएगा। यह नाम पाकिस्तान ने सुझाया है। मौसम विभाग ने कहा है कि अरब सागर के बाद यह तूफान पाकिस्तान की ओर मुड़कर कमजोर पड़ सकता है। हालांकि, फिलहाल तूफान के रूट को ट्रेस करना मुश्किल है। मौसम विभाग ने कहा है कि बहुत ही रेयर केस में अरब सागर में अगस्त में चक्रवाती तूफान देखने को मिलते हैं।

मैं शिवाजी के चरणों में...

सिर झुकाकर माफी मांगता हूं

महाराष्ट्र के पालघर में पीएम मोदी बोले-वह हमारे लिए आराध्य देव हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाराष्ट्र दौरे पर हैं। महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा गिरने के बाद सरकार पर विपक्ष हमलावर है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के लोगों से माफी मांगी है। शिवाजी की प्रतिमा गिरने पर महाराष्ट्र में पीएम मोदी ने कहा कि सिर झुकाकर शिवाजी से माफी

- **शिवाजी महाराज की प्रतिमा टूटने पर महाराष्ट्र की जनता से मांगी माफी**

मांगता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि मैं उनके चरणों में सिर झुकाकर माफी मांगता हूं। शिवाजी हमारे लिए आराध्य देव हैं। पीएम मोदी ने कहा, जब 2013 में भाजपा ने मुझे प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में निश्चित किया, तो मैंने सबसे पहले रायगढ़ के किले में जाकर छत्रपति शिवाजी महाराज की समाधि के सामने बैठ कर

प्रार्थना की और राष्ट्रसेवा की एक नई यात्रा आरंभ की थी। छत्रपति शिवाजी महाराज, मेरे लिए सिर्फ नाम नहीं हैं, हमारे लिए छत्रपति शिवाजी महाराज आराध्य देव हैं। पिछले दिनों सिंधुदुर्ग में जो हुआ, आज मैं सिर झुकाकर मेरे आराध्य देव छत्रपति शिवाजी महाराज जी के चरणों में मस्तक रखकर माफी मांगता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी संस्कृति अलग है। उन्होंने कहा, हम भारत माता के महान सपूतों, इस भूमि के वीरों को गाली नहीं देते। उनका अपमान नहीं करते। उन्होंने (कांग्रेस) वीर सावरकर को गाली दी, ऐसा करने के बावजूद वे माफी मांगने को तैयार नहीं हैं, वे अफसोस करने को तैयार नहीं हैं। महाराष्ट्र की जनता उनके असली इरादों को समझ चुकी है।

पीएम मोदी ने कहा, एक समय था, जब भारत को विश्व के सबसे समृद्ध और सशक्त राष्ट्रों में गिना जाता था। भारत की इस समृद्धि का एक बड़ा आधार था, भारत की सामुद्रिक सामर्थ्य- हमारी इस ताकत को महाराष्ट्र से बेहतर और कौन जानेगा। छत्रपति शिवाजी महाराज, उन्होंने समुद्री व्यापार को समुद्री शक्ति को एक नई ऊंचाई दी थी। उन्होंने नई नीतियां बनाई, देश की प्रगति के लिए फैसले लिए। पीएम मोदी ने अपनी सरकार की तारीफ करते हुए कहा, अब ये भारत, नया भारत है। नया भारत- इतिहास से सबक लेता है। अपने सामर्थ्य को पहचानता है, अपने गौरव को पहचानता है।

आंध्र प्रदेश में गर्ल्स हॉस्टल के वॉशरूम में हिडन कैमरा

- 300 वीडियो-फोटो लीक, आधी रात को छात्रों का प्रदर्शन, आरोपी बीटेक स्टूडेंट गिरफ्तार

विजयवाड़ा (एजेंसी)। आंध्रप्रदेश में कृष्णा जिले के गुडीवाड़ा में इंजीनियरिंग कॉलेज के गर्ल्स वॉशरूम में हिडन कैमरा मिला। गुरुवार शाम 7 बजे यह खबर सामने आते ही कॉलेज में हंगामा शुरू हो गया। कैमरे के जरिए छात्राओं के वीडियो रिकॉर्ड किए जा रहे थे। जिन्हें बाद में लीक करके कुछ छात्राओं को बेच दिया गया। पुलिस के मुताबिक लीक हुए फोटो-वीडियो की संख्या लगभग 300 है। इस मामले में पुलिस ने गुडीवाड़ा के गुडलावलेरु

कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के बीटेक फाइनल ईयर के स्टूडेंट विजय कुमार को पकड़ा है। उसका फोन और लैपटॉप भी जब्त किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गुडलावलेरु कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग को इस बारे में एक हफ्ते पहले बताया गया था, लेकिन कॉलेज ने इस पर कोई ऐक्शन नहीं लिया। गुरुवार को छात्राओं ने विरोध में नारेबाजी शुरू कर दी। कॉलेज इस मामले को छिपाना चाहता था। मीडिया तक यह खबर न पहुंचे, इसके लिए कॉलेज के गेट भी बंद कर दिए गए। हालांकि छात्राओं ने देर रात तक प्रदर्शन किया। मामले की जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की और उसे अरेस्ट कर लिया है। कुछ रिपोर्ट्स में यह दावा भी किया गया है कि विजय ने गर्ल्स टॉयलेट में कैमरा छिपाने में कॉलेज की एक लड़की ने ही मदद की। पुलिस या कॉलेज प्रशासन ने यह नहीं बताया है कि वह लड़की कौन थी।

झारखंड के पूर्व सीएम चंपाई सोरेन बीजेपी में शामिल

- **बोले-कभी नहीं सोचा था मेरी जासूसी होगी, शिवराज ने कहा- टाइगर अभी जिंदा है**

रांची (एजेंसी)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन बीजेपी में शामिल हो गए। रांची के धुर्वा स्थित शहीद मैदान में कार्यक्रम में शिवराज सिंह चौहान और हिमंता बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को उन्हें भाजपा की

सदस्यता दिलवाई। इस अवसर पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि चंपाई सोरेन के आने से भाजपा मजबूत होगी। टाइगर अभी जिंदा है। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जेएमएम अब पति-पत्नी और दलालों की पार्टी रह गई है। वहीं, चंपाई सोरेन ने कहा कि मैं दिल का साफ हूं, मैंने कभी नहीं सोचा था मेरी जासूसी होगी। जिसने झारखंड के लिए लड़ाई लड़ी उसके पीछे जासूस लगाया। उस दिन के बाद हमने फैसला लिया कि दल में जाएंगे, जनता की सेवा करेंगे।

मैंने कोई चोरी की है क्या, इस्तीफा नहीं दूंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह का कहना है कि मैं पद से इस्तीफा क्यों दूं। मैंने जो कुछ भी कदम उठाए थे, वह राज्य की सुरक्षा के लिए थे। उन्होंने कहा कि मैं कोई चोर थोड़ी हूं कि मैंने कुछ

- **मणिपुर सीएम एन बीरेन सिंह ने उलटे दागा सवाल**

सरकार में रहते हुए चुराया है। उन्होंने दावा किया कि राज्य की 'रक्षा' के प्रयासों में लोग उनके साथ हैं, इसलिए उनके इस्तीफा देने का कोई सवाल ही नहीं है। सिंह ने एक इंटरव्यू में सवाल किया, मैं इस्तीफा क्यों दूं। क्या मैंने कुछ चुराया है। क्या मेरे खिलाफ किसी घोटाले का आरोप है। क्या मैंने राष्ट्र या राज्य के खिलाफ काम किया है। एन बीरेन सिंह सिंह मणिपुर में पिछले साल मई में भड़की जातीय हिंसा को लेकर विपक्ष के निशाने पर हैं। कुकी संगठन उन पर जातीय हिंसा में मेइती समुदाय का पक्ष लेने का आरोप लगा रहे हैं। इसके बावजूद उन्होंने बतौर मुख्यमंत्री अपने

रिकॉर्ड का मजबूती से बचाव किया। सिंह ने अवैध आप्रवासियों की पहचान और मादक पदार्थों के खिलाफ अपनी सरकार के अभियान को जातीय हिंसा के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, मैंने राज्य को अवैध प्रवासियों, पोस्त की अवैध खेती से बचाया है। मेरा काम मणिपुर और मणिपुर के लोगों की रक्षा करना है।

मैं किसी समुदाय का नहीं, सबका मुख्यमंत्री हूं

मैइती समुदाय के लोगों का पक्ष लेने के आरोपों पर एन. बीरेन सिंह ने कहा कि मैं हर समुदाय का मुख्यमंत्री हूं। मैतेई हो, कुकी हो या फिर नगा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल में मादक पदार्थों के खिलाफ जंग के अलावा आरक्षित वनों से अतिक्रमण हटाते हुए म्यांमा से अवैध अप्रवासियों की पहचान का अभियान तेज कर दिया, जो कुछ लोगों को पसंद नहीं आया। हालांकि, उन्होंने यह सीधे तौर पर नहीं कहा, लेकिन मैतेई समूहों ने आरोप लगाया है कि कुकी समुदाय का एक वर्ग उनके बसाए पहाड़ी इलाकों में पोस्त की खेती के अलावा उन अवैध अप्रवासियों की रक्षा करने में शामिल है, जो उन्हीं के जातीय समूह से आते हैं।

संक्षिप्त समाचार

केन्द्रीय मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने किया लोकार्पण

भोपाल। केन्द्रीय महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने गुरूवार को महिला-बाल विकास विभाग की नये रूप से तैयार वेबसाइट और शी-बॉक्स पोर्टल का लोकार्पण किया। इस अवसर पर सभी राज्यों के महिला बाल विकास विभाग के अधिकारी वर्चुअली जुड़े थे। महिला विकास विभाग की नई वेबसाइट में उपलब्ध समस्त फीचर्स बहुत ही सुविधाजनक है। आमजनों की सुविधा के लिये इसमें चेटबॉट भी दिया गया है। इसमें मिशन शक्ति, मिशन वात्सल्य आदि की लिंक भी दी गई है। जहां से इसे आसानी से एक्सेस किया जा सकता है। केन्द्रीय मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि यह पहल महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करने और उन्हें एक सुरक्षित कार्यस्थल प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। केन्द्र और राज्य के संगठित या असंगठित निजी या सार्वजनिक क्षेत्र में काम कर रही महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न की शिकायत को दर्ज करने के लिये शी-बॉक्स पोर्टल बनाई गई है। कार्य स्थल पर यौन उत्पीड़न का सामना करने वाली कोई भी महिला इस पोर्टल के माध्यम से अपनी शिकायत ऑनलाइन दर्ज करा सकती है। पोर्टल के माध्यम से दर्ज की गई शिकायतें पूरी तरह से गोपनीय रखी जाती है। एक बार शिकायत शी-बॉक्स में दर्ज होने के बाद इसे सीधे कार्यवाही करने के अधिकार क्षेत्र वाले संबंधित प्राधिकारी को भेजा जायेगा। संस्थाओं के आंतरिक समितियों के अधिकारियों के द्वारा इन शिकायतों की निगरानी की जायेगी। यह पोर्टल न केवल सरकारी कर्मचारियों के लिये बल्कि निजी क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं के लिये भी खुला है।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायत पर कार्यवाही

भोपाल। सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त एक शिकायत की जांच के दौरान गुरुवार को टैगोर वार्ड, गांधीनगर, भोपाल स्थित विनोद किराना में बेस्ट बिफोर व्यतीत होने के बाद विक्रय हो रहा 90 किलोग्राम आटा जप्त किया गया।शिकायतकर्ता द्वारा गुणवत्ताहीन आटे के विक्रय की जानकारी देते हुये कार्यवाही की मांग की गई थी। प्रतिष्ठान पर 10 किलोग्राम वाली 9 बोरियां बेस्ट बिफोर समाप्ति उपरांत विक्रय होना पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा आटे का नमूना लेते हुये सभी 9 बोरियों को जप्त कर लिया गया नमूना राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, ईदगाह हिल्स, भोपाल भेजा जाएगा तथा विश्लेषण उपरांत खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के अन्तर्गत कार्यवाही की जायेगी। अभिहित अधिकारी श्री देवेन्द्र कुमार वर्मा के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा सीएम हेल्पलाइन तथा अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों का गंभीरतापूर्वक निराकरण किया जा रहा है।

अनुसूचित वर्ग के छात्र-छात्राओं के खेलकूद, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक विकास योजनाएँ

भोपाल। अनुसूचित जाति वर्ग के छात्र-छात्राओं के खेलकूद, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक विकास के लिये क्रीड़ा प्रतियोगिता, राष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ियों को पुरस्कार और राष्ट्रीय राज्य स्तर के खिलाड़ियों को खेलकूद उपकरण क्रय करने के लिये आर्थिक सहायता दी जाती है। अनुसूचित जाति की आवासीय संस्थाओं जूनियर, सीनियर के छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट शैक्षणिक, शारीरिक तथा बौद्धिक विकास के लिये राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं। इसके अंतर्गत पृथक-पृथक क्रीड़ा, सांस्कृतिक, बौद्धिक और चित्रकला जैसी प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं। जिला स्तर की प्रतियोगिता में अधिकतम 100 छात्र-छात्राएँ सम्मिलित होते हैं। योजनांतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग के प्रतिभावान राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को सम्मानित एवं पुरस्कृत करने के लिये व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता को राशि 21 हजार रुपये, रजत पदक विजेता को 15 हजार रुपये एवं काँस्य पदक विजेता को 11 हजार रुपये पुरस्कार राशि प्रदान की जाती है। इसी प्रकार राष्ट्रीय स्तर की सामूहिक प्रतिस्पर्धाओं में स्वर्ण पदक विजेता को 10 हजार रुपये, रजत पदक विजेता को 7 हजार रुपये, काँस्य पदक विजेता को 5 हजार रुपये पुरस्कार राशि का प्रावधान है। राष्ट्रीय स्तर की व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धाओं में केवल भाग लेने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहन स्वरूप 4 हजार रुपये देने का प्रावधान है। अनुसूचित जाति वर्ग के राष्ट्रीय स्तर पर व्यक्तिगत स्पर्धा में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को खेल उपकरणों के क्रय के लिये आर्थिक सहायता स्वरूप 12 हजार रुपये एवं सामूहिक प्रतिस्पर्धा में 8 हजार रुपये की राशि दी जाती है। प्रतिस्पर्धा के लिये चयनित छात्रों को प्रतिवर्ष 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुरस्कृत किया जाता है। इसी प्रकार राज्य स्तर पर भाग लेने वाले प्रतिस्पर्धा के लिये खेल उपकरणों के क्रय के लिये सहायता स्वरूप व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को 7 हजार रुपये और सामूहिक प्रतिस्पर्धा में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को 5 हजार रुपये की राशि प्रदान की जाती है।

भोपाल में यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन,कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर बस में ले गई पुलिस

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में यूथ कांग्रेस ने एग्जाम में गड़बड़ी, पेपर लीक, नर्सिंग घोटाला, बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन किया। शुक्रवार दोपहर को कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता रोशनपुरा चौराहे पर इकट्?ठा हुए और सीएम हाउस का घेराव करने आगे बढ़े। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को पहले ही बैरिकेड लगाकर रोक दिया। कांग्रेस कार्यकर्ता के साथ ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी बैरिकेड पर चढ़ गए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए वाटन कैनन चलाया। पानी के प्रेशर से जीतू पटवारी बैरिकेड से गिर गए। कुछ कार्यकर्ता भी घायल हो गए। पुलिस ने कार्यकर्ताओं पर आंसू गैस भी छोड़ी। इसके बाद पुलिस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर बसों से ले गई। इससे पहले मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा, ये सरकार मोहन यादव और बीजेपी की सरकार नहीं माफियाओं की सरकार है। आंदोलन में यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष

मितेंद्र दर्शन सिंह यादव आदि शामिल हुए।

मितेंद्र दर्शन सिंह ने बताया, यूथ कांग्रेस ने दो महीने पहले क्या हुआ तेरा वादा अभियान शुरू किया था। इसमें करीब साढ़े चार लाख युवाओं ने पोस्ट कार्ड लिखकर समस्याएं बताई हैं। आज ये पोस्ट कार्ड सीएम डॉ. मोहन यादव को सौंपने जा रहे थे। बता दें, पिछले आठ दिन में कांग्रेस का ये चौथा बड़ा प्रदर्शन है।

अधिकारी बेहतर कार्य कर टीकमगढ़ को आदर्श जिला बनाएं-प्रभारी मंत्री श्रीमती गौर

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमन्तु और अर्धघुमन्तु कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं टीकमगढ़ जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीकमगढ़ जिले के विकास कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में प्रभारी मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि सभी अधिकारी बेहतर कार्य कर टीकमगढ़ को आदर्श जिला बनाने का प्रयास करें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विभाग सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचायें। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि राशन गरीबों का हक है, हमारी जिम्मेदारी है कि राशन हर पात्र परिवार तक समय पर पहुंचे। उन्होंने निर्देशित किया कि टीकमगढ़ जिले में उद्योगों की सम्भावनाओं का आकलन कर प्रस्ताव प्रेषित करें। प्रभारी मंत्री श्रीमती गौर ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान जिले में मंकीपॉक्स के संबंध में जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग की समीक्षा के दौरान जिले में स्थापित औद्योगिक क्षेत्र, नवीन प्रस्तावित/निर्माणाधीन औद्योगिक क्षेत्र तथा रोजगार सजृन से संबंधित प्रक्रियाधीन योजनाओं की जानकारी ली तथा जिला टीकमगढ़ हेतु एक जिला एक उत्पाद अंतर्गत चयनित पीतल शिल्प क्लस्टर के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये।

बुनियादी ढांचे को मजबूती देने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही सरकार - खाद्य मंत्री श्री राजपूत

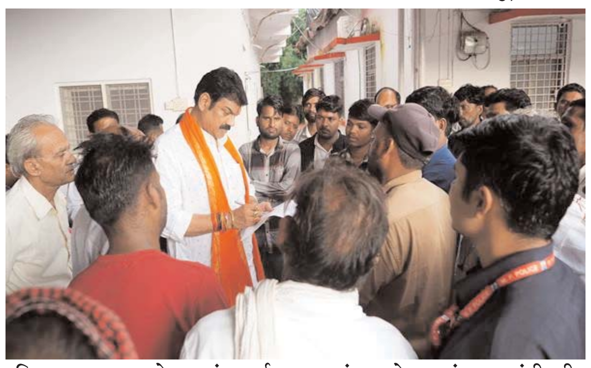

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने गुरुवार को सागर स्थित कार्यालय पर आमजन से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी और अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि आमजन की समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता से करवाया जा रहा है। सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को मजबूती देने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि पूरे बुंदेलखंड में शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए समयबद्ध योजनाएं बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के अधिकारियों को आमजन से जुड़े प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न विभागों से जुड़े आवेदनों पर खाद्य और नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री राजपूत ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को बिना देरी के कार्य करने के निर्देश दिए। इस दौरान सागर और आसपास के क्षेत्र से बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं खाद्य मंत्री श्री राजपूत के समक्ष प्रस्तुत की।

दिव्यांगजनों को शासन की योजनाओं का शत प्रतिशत मिले लाभ-राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह ने कहा है कि कोई भी दिव्यांगजन शासन की योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे इन्हें शत प्रतिशत हर योजना का लाभ दिया जाना सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने यह बात कलेक्ट्रेट सभागार सीधी में आयोजित दिव्यांग जनो की एडव्होकेसी बैठक के दौरान कहा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह के मुख्य अतिथि में एवं सांसद सीधी सिंगरौली डॉ. राजेश मिश्रा के अध्यक्षता में एवं आयुक्त नि:शक्त जन कल्याण मध्यप्रदेश संदीप रजक सहित जिले के अधिकारी उपस्थित थे। राज्यमंत्री श्रीमती सिंह ने कहा कि दिव्यांगजनों की सेवा एक सच्चे भावना के साथ करे। उन्होंने राज्य सरकार की संचालित योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ दिया जाना सुनिश्चित करे। उन्होंने डीडीआरसी केन्द्र के संचालक एवं सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारी को निर्देश दिये कि

इन्हे जो भी उपकरण दिया जाये वो उच्च गुणवत्ता के होना चाहिए। राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह ने दिव्यांगों को ट्राईसिकिल एवं श्रवण यंत्र वितरित किये।आयुक्त नि:शक्त जन कल्याण मध्यप्रदेश संदीप रजक ने कहा कि दिव्यांग जनो के हितार्थ शासन द्वारा विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। जिले के शत-प्रतिशत दिव्यांगजनों को चिन्हांकित कर लाभ देवे। उन्होंने कहा कि पूर्व में केवल सात प्रकार की अच्छमता को ही दिव्यांगता में शामिल किया गया था। लेकिन अब मेडिकल शारिरिक अंक्षमताओं को मिलाकर कुल 21 प्रकार की डिसेबिलिटी को दिव्यांगता में शामिल किया गया है।

जिसके लिए व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए। जिससे लोगों में जागरूकता आये।

जेसी मिल श्रमिकों के भुगतान की घोषणा पर ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने जताया आभार

भोपाल। ग्वालियर जेसी मिल के श्रमिकों की लम्बित देनदारियों के भुगतान के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा की गई घोषणा तथा रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव के जरिए ग्वालियर-चम्बल अंचल को मिले करोडो के निवेश प्रस्ताव के लिए ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने केन्द्रीय नेतृत्व और राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि ग्वालियर जेसी मिल बन्द होने के बाद से ही इसमें कार्यरत रहे श्रमिकों की देनदारियों के भुगतान को लेकर लम्बे समय से संघर्ष चल रहा था। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस मुद्दे को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केन्द्रीय संचार व पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समक्ष रखा और समाधान का आग्रह किया था। बुधवार को राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के दौरान मंच से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घोषणा की थी कि जेसी मिल के श्रमिकों की लम्बित देनदारियों का भुगतान इन्दौर की हुकुमचंद मिल की तर्ज पर जल्द से जल्द राज्य सरकार करेगी। इस घोषणा पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रति कोटि-कोटि आभार जताया है। ऊर्जा मंत्री ने रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में पधारे सभी औद्योगिक संस्थानों का ग्वालियर-चम्बल अंचल में 8000 करोड़ के निवेश प्रस्ताव के जरिए 35 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार मुहैया कराने की पहल का स्वागत करते हुए कृतज्ञता व्यक्त की और कहा कि अब ग्वालियर जल्द ही औद्योगिक नगरी के रुप में अपनी पुरानी पहचान हासिल करेगा।

जनता से मिलने का समय तय करें, समस्याओं का त्वरित निवारण करें-जनजातीय कार्य मंत्री डा शाह

भोपाल। जनजातीय कार्य, लोक परीसंपत्ति प्रबंधन एवं भोपाल गैस त्रासदी राहत तथा पुनर्वास मंत्री तथा झाबुआ जिले के प्रभारी मंत्री डॉ कुंवर विजय शाह ने गुरुवार को जिला पंचायत झाबुआ में जिलाधिकारियों की बैठक ली। समीक्षा बैठक में प्रभारी मंत्री डॉ शाह ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आम जनता से मिलने का समय निश्चित कर लें। सबकी समस्या सुनें और जल्द से जल्द समस्याओं का समुचित निवारण करें। जनता के प्रति संवेदनशील बनें और गांव में रात्रि विश्राम करें, जिससे समस्याओं का स्थायी निराकरण हो सके। प्रभारी मंत्री डॉ. शाह ने सभी विभागधिकारियों से वन टू वन

चर्चा करके विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि झाबुआ जिले को विकास की दिशा में आगे बढ़ाना है।

उन्होंने कलेक्टर को झाबुआ जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए प्रस्ताव राज्य शासन को भेजने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि जिला अस्पताल मे सुविधाओं से सम्बन्धित जितनी मांग है उनका प्रस्ताव बना कर भेजें। हवाई पट्टी की मरम्मत का कार्य भी प्राथमिकता से किया जाये। मंत्री डॉ. शाह ने जिले में सिंचाई की सुविधा एवं उसके लिए स्थायी बिजली कनेक्शन का डेटा प्रस्तुत करने के लिये जिलाधिकारी को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक खेत में विभाग की ओर से सौर ऊर्जा स्थापना के लिए सोलर पैनल का प्रस्ताव भेजा जाए। मत्स्य एवं उद्यानिकी विभाग को नवाचार से स्वरोजगार के अवसर पैदा करने के लिये निर्देशित किया। प्रभारी मंत्री डॉ शाह ने कहा कि मत्स्य पालन के लिये आदिवासी भाई-बहनों को प्रोत्साहित किया जाए। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य ने विभाग द्वारा जिले में किये जा रहे नवाचारों के सम्बन्ध मे जानकारी दी। बताया कि जिले में स्कूल स्तर पर ही बच्चों के जाति प्रमाण पत्र बनाने की पहल की गयी है। साथ ही स्कूल ड्रॉप आउट छात्रों को पुन: शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

जल जीवन मिशन के कार्यों को समय-सीमा में पूरा करें-मंत्री श्रीमती उइके

भोपाल। जल जीवन मिशन के कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाये। अधिकारी मैदानी स्तर पर लगातार भ्रमण करते हुए कार्यों की मॉनिटरिंग करें। योजनावार कार्यों की साप्ताहिक एवं मासिक स्तर पर संभाग एवं राज्य स्तर से नियमित समीक्षा की जाये। यह निर्देश लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके ने आज रेसीडेंसी कोठी में इंदौर एवं उज्जैन संभाग के विभागीय अधिकरियों की बैठक में दिये। उन्होंने जल जीवन मिशन अंतर्गत इंदौर और उज्जैन संभाग के विभिन्न जिलों में योजनाओं की समीक्षा की तथा यह निर्देश दिये कि पीएचई एवं जल निगम के अधिकारी मैदानी स्तर पर बेहतर समन्वय करते हुए कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूरा करें। उन्होंने कहा कि इंदौर जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर नल से जल पहुंचाने के लिये 20 सितम्बर तक शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण किया जाये। मैदानी स्तर पर निर्देशों का कड़ाई से

पालन करना सुनिश्चित करें। किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाशत नहीं की जायेगी। उन्होंने जिलेवार जल जीवन मिशन अंतर्गत एकल एवं समूह योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में विभाग के प्रमुख अभियंता श्री के के सोनगरिया, मध्यप्रदेश जल निगम के मुख्य अभियंता श्री आलोक जैन, पीएचई मुख्य अभियंता श्री विजय सिंह सोलंकी, अधीक्षण यंत्री श्री अजय श्रीवास्तव, श्री राजीव खुराना, श्री डी.एल. सूर्यवंशी, इंदौर तथा उज्जैन संभाग के समस्त जिले के कार्यपालन यंत्री एवं सहायक यंत्री उपस्थित रहे। मंत्री श्रीमती उइके रोड़ रेस्टोरेशन कार्य की जिलेवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि 15 दिवस में इंदौर एवं उज्जैन संभाग के समस्त जिलों में रोड़ रेस्टोरेशन के कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाये।

गौ वंश को आवारा कहना पीड़ादायी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा आदेश जारी कर सीधी जिले के प्रमुख मार्गो पर 15 दिवस का विशेष अभियान चलाकर बेसहारा गौ वंश को नियंत्रण करने के लिए जिला एवं विकास खंड स्तर की समिति गठित की गई है। जिसके संबंध में उदय कमल मिश्र अधिवक्ता द्वारा कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी को पत्र सौंप कर बेसहारा गौ वंश जो मुख्य मार्गो पर विचरण कर रहे हैं उन्हें शासकीय गौ शालाओं एवं बाड़ों में रखने के पूर्व गौ वंश के आश्रय, भरण.पोषण, उपचार एवं देखभाल के लिए कुछ विशेष कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया है।

मवेशी चराने के दौरान झाड़ियों में छुपे बाघ ने किया हमला, एक घायल

दोस्तों ने बचाई चरवाह की जान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के आदिवासी अंचल कुसमी क्षेत्र के संजय टाइगर रिजर्व क्षेत्र दुबरी के चिनगवाह गांव में शुक्रवार को एक आदमखोर बाघ ने एक चरवाहे के ऊपर हमला कर दिया। जिसकी वजह से चरवाहा गंभीर रूप से घायल हो गया है।

जैसे ही हमला होने की जानकारी कुछ दूर पर खड़े अन्य दोस्तों को मिली, सभी लाठी और डंडे लेकर बाघ की तरफ चिल्लाते हुए दौड़ पड़े। इसके बाद आवाज सुनकर बाघ वहां से भाग निकला। तब जाकर वृद्ध चरवाहे रामनिवास भूर्तिया की जान बची।

दरअसल यह पूरी घटना शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे की है। जहां रामनिवास भूर्तिया अपने मवेशियों को लेकर जंगल की तरफ गया हुआ था। उनके साथ गांव के ही रहने वाले उसके साथी भी अपनी मवेशियों को लेकर गए हुए थे।

इसी दौरान झाड़ियों में छिप कर बैठे बाघ ने रामनिवास पर पीछे से हमला कर दिया। जिसनी रामनिवास की चीख मुंह से निकल पड़ी। आवाज सुनते ही उनके साथ ही रामसुखी भूर्तिया, प्रेमलाल भूर्तिया और रामानुज भूर्तिया अपने डंडे को लेकर बाघ की तरफ दौड़ने लगे।

लोगों को आता देख और आवाज को सुनकर बाघ वहां से दबाकर भाग निकला। इसके बाद सभी साथियों ने घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए जहां उसका इलाज चल रहा है।

राष्ट्रीय पोषण मिशन 2024 हेतु किया गया उन्मुखीकरण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला कार्यक्र म अधिकारी महिला एवं बाल विकास ने जानकारी देकर बताया है कि महिला एवं बाल विकास द्वारा पूर्व वर्षों की तरह इस वर्ष भी दिनांक 01 सितम्बर से 30 सितम्बर 2024 तक जनआन्दोलन के रूप मे पोषण अभियान प्रत्येक ग्राम में चलाया जावेगा। इस हेतु महिला एवं बाल विकास सीधी के परियोजना अधिकारियो, पर्यवेक्षको एवं जन अभियान परिषद सीधी की टीम का उन्मुखीकरण प्रशिक्षण किया गया। पोषण आधारित विभिन्न कार्यक्रमों, योजनाओं को संचालित करने वाले सभी विभागों, स्वैच्छिक संगठनों, अन्य स्टेक होल्डर के साथ समन्वय से राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन जनआंदोलन के रूप में किया जाना है।

अतिथि शिक्षकों से किया वादा भूले सीएम

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं चुरहट विधायक अजय सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से उनके द्वारा पूर्व में की गई सिफारिशों के अनुरूप प्रदेश के अतिथि शिक्षकों की मांगों को तत्काल पूरा करने अपील की है। उन्होंने कहा कि एक साल पहले चुनाव पूर्व तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने भी पंचायत बुलाकर अतिथि शिक्षकों की मांगों को पूरा करने की घोषणा की थी।

वर्तमान मुख्यमंत्री एवं तत्कालीन विधायक डॉ. मोहन यादव ने 15 मार्च 2018 को शिवराज सिंह को पत्र लिखकर कहा था कि प्रदेश में कार्यरत अतिथि शिक्षक पूर्ण निष्ठा से अध्यापन एवं अन्य अनुषांगिक कार्य कर रहे हैं। इनकी लम्बी सेवा अवधि को देखते हुए इन्हें संविदा शिक्षक बनाये जाने की कार्यवाही अत्यंत अपेक्षित है। पत्र के साथ तत्संबंधी ज्ञापन प्रेषित करके अतिथि शिक्षकों के हितों को दृष्टिगत रखते हुये इनकी मांगो के निराकरण हेतु यथावश्यक निर्देश प्रसारित करने का अनुरोध किया था। अजय सिंह ने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विधानसभा चुनाव से पहले सभी संगठनों को अलग.अलग मुख्यमंत्री निवास भोपाल में बुलाकर उनकी मांगों को पूरा करने का वादा किया था। इसी कड़ी में प्रदेश भर के स्कूलों में पढाने वाले अतिथि शिक्षकों की महा पंचायत बुलाई गई थी और इस दौरान उन्होंने कई घोषणाएं की थी।

2 सितंबर को घोषणा किये हुए एक वर्ष पूरे हो रहे हैं लेकिन अतिथि शिक्षकों के लिए की गई घोषणाएं अभी तक अधूरी हैं। अब जबकि डॉ. मोहन यादव स्वयं ही मुख्यमंत्री हैं तब उनसे अतिथि शिक्षकों की समस्याओं के समाधान की अपेक्षा स्वाभाविक है। मुख्यमंत्री से अपील है कि अतिथि शिक्षकों की मांगों को पूरा करने के लिए तत्काल निर्णय लें।

9 साल की बच्ची की इलाज के दौरान मौत, सील हो चुके क्लिनिक में चल रहा था इलाज

लापरवाह डॉक्टर पुलिस हिरासत में

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले में अवैध रूप से संचालित क्लिनिक में इलाज के दौरान एक किशोरी की गुरुवार दोपहर में मौत हो गई। शिकायत के बाद चिकित्सक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और मामला दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी है। हैरान कर देने वाली बात यह भी है कि यह प्राइवेट क्लिनिक 2 जून को अनियमितता के चलते सील कर दिया गया था। इसके बाद भी यहां चोरी छुपे इलाज किया जा रहा था।

चितरंगी ब्लाक मुख्यालय के अस्पताल चौराहे पर संचालित साईं नारायण अस्पताल में गुरवार दोपहर 9 साल की बच्ची की उपचार के दौरान मौत हो गई। इसके बाद किशोरी के परिजनों ने हंगामा कर दिया। हंगामा की सूचना मिलने के बाद एसडीओपी चितरंगी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले को शांत कराया।

भाभी ने देवर का प्राइवेट पार्ट ब्लेट से काटा

घायल बोला- जमीनी विवाद में किया हमला, कुसमी थाना क्षेत्र की घटना

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।सीधी जिले में एक महिला ने अपने ही देवर के प्राइवेट पार्ट पर ब्लेड से हमला कर दिया। घायल का इलाज अस्पताल में चल रहा है। मामला गुरुवार रात कुसमी थाना क्षेत्र का है। बताया गया कि गुरुवार रात 9.30 बजे महिला ने ब्लेड से देवर का प्राइवेट पार्ट काट दिया। इसके बाद युवक के प्राइवेट पार्ट से खून बहने लगा। वह दौड़ते हुए परिजनों के पास पहुंचा। इसके बाद घायल को कुसमी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

घायल युवक ने बताया कि जमीनी विवाद का मामला था। भाभी ने मुझे बुलाया था। इसके बाद भाभी ने मेरे ऊपर ब्लेड से हमला कर दिया। घरवाले ने मुझे अस्पताल में भर्ती कराया है।वहीं महिला ने अपने देवर पर छेड़छाड़ के आरोप लगाए हैं।

थाना प्रभारी भूपेश बैस ने कहा कि यह मामला गुरवार रात का है। 26 साल की महिला ने 23 साल के अपने देवर का प्राइवेट पार्ट काट दिया। ऐसी शिकायत दर्ज की गई है। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

बीएलओ एप पर शतप्रतिशत मतदाता सत्यापन के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर सत्यापन कार्य आयोग के बीएलओ एप पर प्रदर्शित होम टू होम सर्वे एवं 2025 के पुनरीक्षण हेतु जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रत्येक बूथ लेवल अधिकारी को उसके मतदान केन्द्र के समस्त मतदाताओं के विवरणों का 100 प्रतिशत सत्यापन किया जाना है। बूथ लेवल अधिकारी द्वारा किये गये कार्यो की जानकारी विधानसभा स्तर से ईआरओ-नेट में देखी जा सकती है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा प्रत्येक सोमवार को जिलेवार अद्यतन स्थिति की समीक्षा की जावेगी।

अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश शाही ने समस्त रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को निर्देशित किया है कि दिये गये निर्देशों का पालन करते हुए निर्वाचन समय-सीमा दिनांक 20.09.2024 तक 100 प्रतिशत पूर्ण करें तथा प्रतिदिन की प्रगति की जानकारी व्हाट्सअप रूप एवं अन्य माध्यमों से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में आजीविका मिशन का अभिनव प्रयास

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। म.प्र. डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन विकासखण्ड सिहावल के ग्राम खोरवा टोला की लक्ष्मी स्व सहायता समूह की सदस्य मनीषा कुशवाहा नमो दीदी ड्रोन पायलट अपने खेत में ड्रोन के माध्यम से नैनो डीएपी एवं यूरिया का छिड़काव कर आधुनिक तकनीकी के माध्यम से खेती को कैसे लाभ का धंधा बनाया जाता है, का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत कर रही है। ज्ञात हो कि म.प्र. डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से संबंधित जिले की स्व सहायता समूह की महिलाएं कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से हर क्षेत्र में सफलता का परचम लहराकर आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की नयी इबारत लिख रही हैं।

इसी क्रम में समूह अब कृषि में नवीन तकनीकी को बढ़ावा देने, फसलों की पैदावार बढ़ाने, लागत कम करने में भी भागीदारी निभा रही है। मनीषा कुशवाहा ने नमो दीदी ड्रोन पायलट के रूप में इन्दौर के प्रेस्टीज कॉलेज में प्रथम चरण का प्रशिक्षण शेयरिंग एरोटेक कंपनी के विशेषज्ञों द्वारा प्राप्त किया, द्वितीय प्रशिक्षण भारतीय दलहन अनुसंधान संस्था भोपाल से प्रशिक्षित होने के बाद आज अपने गांव में अपने खेतों में सफलता पूर्वक ड्रोन उड़ा रही हैं। मनीषा कुशवाहा अपनी सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री जी द्वारा संचालित योजनाओं को तथा जिला परियोजना प्रबंधक पुष्पेन्द्र कुमार सिंह, प्रभारी जिला प्रबंधक-कृषि विजय गोस्वामी एवं विकासखण्ड प्रबंधक अखिलेष त्रिपाठी को देती हैं।

राष्ट्रीय पोषण मिशन 2024 हेतु मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ने जानकारी देकर बताया कि महिला एवं बाल विकास द्वारा पूर्व वर्षो की तरह इस वर्ष भी दिनांक 01 सितम्बर से 30 सितम्बर 2024 तक जन आन्दोलन के रूप मे पोषण अभियान प्रत्येक ग्राम में चलाया जावेगा। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के मार्गदर्शन में चलने वाले अभियान अभियान की प्रभावी तैयारी विभाग द्वारा की जा रही है। कृषि विज्ञान केन्द्र सीधी में समस्त पर्यवेक्षक एवं परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास सीधी को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया गया।

उन्होंने बताया कि इस मिशन का उद्देश्य कुपोषण, बौनापन, एनीमिया (छोटे बच्चों, महिलाओं और किशोरियों में) के स्तर को कम करना है, साथ ही कम वजन वाले बच्चों के जन्म और अन्य समस्याओं को कम करना है। अभियान का मुख्य उद्देश्य 0-6 वर्ष की आयु के बच्चों में बौनापन को 2 प्रतिशत प्रति वर्ष कम करना है। 0-6 वर्ष की आयु के बच्चों में अल्पपोषण (कम वजन) को 2 प्रतिशत प्रति वर्ष कम करना और छोटे बच्चों अर्थात 6 महीने से लेकर 59 महीने के बच्चों में एनीमिया की व्यापकता को 3 प्रतिशत प्रति वर्ष कम करना है।

डॉ अलका सिंह पोषण विशेषज्ञ द्वारा मोटे अनाज से आसानी से बनने वाले व्यंजन एवं उनके पोषक तत्वों के बारे में सूक्ष्म रूप से अवगत कराया गया। आर.सी. त्रिपाठी जिला कार्यक्र म अधिकारी महिला एवं बाल विकास सीधी द्वारा अभियान के उद्देश्य, घटक, गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

मोबाइल चोरी के मामले का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

एक फरार, 32 मोबाइल जब्त

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। मोरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत एक मोबाइल दुकान में बीते दिनों हुई चोरी मामले का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने एक बाल अपचारी सहित चार चोरों को गिरफ्तार किया जबकि एक चोर फरार है। चोरों के पास से चोरी के 32 मोबाइल और किराना सामान बरामद हुआ है, जिसकी कीमत लाख 10 हजार है।

पुलिस अधीक्षक निवेदिता गुप्ता ने मोरवा थाना क्षेत्र में सेंधमारी कर चोरी का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि 26 अगस्त की रात चोर ने एक मोबाइल दुकान में सेंधमारी कर दुकान में रखे विभिन्न कंपनियों का मोबाइल की चोरी कर ली। दुकानदार विकास कुमार गुप्ता के बयान पर मोरवा थाना में केस दर्ज किया गया।

घटना में शामिल अपराधी और चोरी किए गए सामानों की बरामदगी के लिए, एसपी शिव कुमार वर्मा और एसडीपीओ मोरवा केके पाण्डेय के नेतृत्व में थाना प्रभारी कपूर त्रिपाठी के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया। एसपी के निगरानी में एक टीम 48 घंटे तक आरोपियों के गांव लामीदह की जंगलों में कैंप की ताकि घटना से जुड़ी आम सूचना से आरोपियों को पकड़ सके।

पुलिस ने अलग-अलग जगह पर तलाशी इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर 30 अगस्त को आदर्श गंगा स्कूल के पास पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी लोकनाथ बसोर, पंकज बसोर, राजू बसोर निवासी लामीदह और राज कुमार बसोर निवासी मेढ़ौली और एक बाल अपचारी को गिरफ्तार किया। चोरों की निशानदेही पर मोरवा छठ घाट की पहाड़ी के ऊपर चट्टानों के बीच में छुपा कर रखें 2 लाख कीमत के 32 नग मोबाइल और किराना के अन्य सामान जिसकी कीमत तीन लाख गया। हालांकि इसी प्रकरण का एक आरोपी सूरजपुर में भारत बसर पिता पूरन बसोर निवासी लामीदह अभी तक फरार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

इनकी रही भूमिका उप निरीक्षक एपी तिवारी, भिपेंद्र पाठक, एस आई संतोष सिंह, सजीत सिंह, उमेश अग्निहोत्री, प्रधान आरक्षक संजय सिंह, राहुल सिंह, सुबोध सिंह,पतरंग सिंह, अमित द्विवेदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत कृषि विज्ञान केंद्र में किया गया पौधरोपण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ अलका सिंह के मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केन्द्र सीधी में एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्र म आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्र म में जिला कार्यक्र म अधिकारी आर.सी. त्रिपाठी महिला एवं बाल विकास विभाग, केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ अलका सिंह, उद्यान वैज्ञानिक डॉ एस.एस. गौतम, कार्यक्र म सहायक श्रीमती अमृता तिवारी, महिला एवं बाल विकास सीधी से परियोजना अधिकारी एवं सुपरवाइजर उपस्थित हुये।

उल्लेखनीय है कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 5 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वैश्विक अभियान एक पेड़ माँ के नाम का शुभारंभ किया। वैश्विक अभियान के भाग के रूप में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने जानकारी दी कि सितंबर 2024 तक देश भर में 80 करोड़ पौधे लगाने और मार्च 2025 तक 140 करोड़ पौधे लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 20 जून 2024 को असोला भाटी वन्यजीव अभयारण्य में वृक्षारोपण कार्य शुरू किया जिसमें लोगों ने अपनी माताओं के सम्मान में पेड़ लगाए। अभियान के एक भाग के रूप में, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय 29 अगस्त 2024 को कृषि मंत्री भारत सरकार की गरिमामयी उपस्थिति में एक पेड़ माँ के नाम अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्र म के अंतर्गत, मंत्रालय आई.ए.आर.आई. परिसर में लगभग 1 एकड़ भूमि में "मातृ वन" स्थापित करेगा। अभियान के तहत कृषि मंत्री और मंत्रालय के अधिकारी/कर्मचारी द्वारा पौधे लगाए जाएंगे। मातृ वन में लगभग 300 पौधे लगाए गए। साथ ही देश भर में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग आई.सी.ए.आर. संस्थानों, एसएयू, सीएयू और के.वी.के.एस. के सभी अधीनस्थ कार्यालयों को अपने-अपने परिसर में पौधे लगाने की व्यवस्था करके कार्यक्र म में भाग लेने के लिए निर्देशित किया गया है। एक पेड़ माँ के नाम अभियान एक जन आंदोलन है और लोग पेड़ लगाकर अपनी माँ और धरती माँ के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए इसमें भाग ले रहे हैं। पेड़ लगाने से सरकार द्वारा शुरू किए गए मिशन लाइफ जो पर्यावरण के प्रति जागरूक जीवन शैली का एक जन आंदोलन है, के उद्देश्य की पूर्ति भी होती है। कृषि में, पेड़ लगाना टिकाऊ खेती को प्राप्त करने के लक्ष्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। पेड़ मिट्टी, पानी की गुणवत्ता में सुधार करके और जैव विविधता को बढ़ाकर कृषि उत्पादकता में सुधार करने में मदद करते हैं। पेड़ किसानों को लकड़ी और गैर-लकड़ी उत्पादों से अतिरिक्त आय का स्रोत भी प्रदान करते हैं। इस अभियान में भूमि क्षरण और मरुस्थलीकरण को रोकने और भूमि को हरा-भरा करने की अपार क्षमता है।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शासकीय महाविद्यालय मड़वास में गोष्ठी का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय महाविद्यालय मड़वास जिला सीधी में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर गोष्ठी का आयोजन कर के दुनिया भर में हॉकी के जादूगर के नाम से प्रसिद्ध भारत के महान व कालजयी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को याद किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ कमलेश जायसवाल आभार डॉ अनुराग तिवारी ने दिया।

कार्यक्रम के सुरुआत में डॉ लक्ष्मीकांत कुशवाहा ने मेजर ध्यानचंद का जीवन परिचय दिया और हॉकी के खेल के प्रति उनके जूनून की जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ पंकज मिश्रा ने उपस्थित छात्रों से खेलो के महत्व को बताते हुए कहा कि खेल हमे स्वस्थ तंदुरुस्त खुस रखते हुए हमें ऊर्जावान बनाते है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ कमलेश जायसवाल,डॉ संगीता मिश्रा,डॉ राजेश पटेल,डॉ. अनुराग तिवारी,डॉ. पंकज मिश्रा,श्री दीपराज प्रजापति, डॉ संगीता मिश्रा, डॉ अमिता खरे, डॉ सौरभी गुप्ता डॉ ज्योति रजक डॉ संध्या वर्मा,श्री प्रवीण साकेत सहित महाविद्यालय स्टाफ़ एवं छात्र/छात्राये ऊपस्थित थे।

विचार

जम्मू–कश्मीर चुनाव से नये दौर की उम्मीद

जम्मू एवं कश्मीर में तीन चरणों में विधानसभा चुनाव कराने की चुनाव आयोग की घोषणा निश्चित ही लोकतंत्र की जड़ों को मजबूती देने के साथ क्षेत्र के लिए विकास के नए दौर के द्वार खोलने का माध्यम बनेगी। जम्मू-कश्मीर की 90 सीटों पर विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसमें 43 जम्मू और 47 कश्मीर की सीटें हैं, इन चुनावों में जम्मू-कश्मीर के लोग सक्रिय रूप से भाग लेकर और बड़ी संख्या में मतदान कर ऐसी सरकार बनाये जो शांति और विकास के नये द्वार उद्घाटित करते हुए युवाओं के लिए उज्वल भविष्य सुनिश्चित करे एवं आतंकमुक्ति का एक नया अध्याय रचे। आज सबकी आंखें एवं कान चुनावी सरगर्मियों एवं भविष्य के गर्भ में ईवीएम से निकलने वाले जनादेश पर लगी हैं। ये चुनाव बहुत महत्वपूर्ण होने के साथ प्रांत में नई उम्मीदों के नये दौर का आगाज है। इस बार के चुनाव अब तक हुए चुनावों से अलग है और खास है। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए नामाकंन भरने की आज आखिरी तारीख है, लेकिन तमाम बड़ी पार्टियों के बीच असमंजस और अनिश्चितता जैसे खत्म होने का नाम नहीं ले रही। हालांकि कुछ हद तक इस तरह की अनिश्चितता हर चुनाव में होती है, लेकिन जम्मू-कश्मीर के मामले में हालात सामान्य से ज्यादा जटिल हैं और इस असमंजस के पीछे उसकी भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। विपक्षी खेमे में माने जाने वाले राज्य के तीनों प्रमुख दलों में सहयोग और संघर्ष दोनों का दिलचस्प घालमेल दिख रहा है। नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के बीच सभी 90 सीटों पर गठबंधन की घोषणा कर दी गई है, लेकिन आलम यह है कि पहले चरण की 24 सीटों का भी बंटवारा मुश्किल साबित हो रहा। पीडीपी इस गठबंधन से बाहर है। फिर भी मुद्दों की एकरूपता के चलते न सिर्फ उमर अब्दुल्ला उससे अपनी पार्टी के खिलाफ प्रत्याशी न खड़ा करने को कह रहे हैं बल्कि खुद महबूबा भी कह चुकी हैं कि अगर उनके अजेंडे को स्वीकार किया गया तो गठबंधन का समर्थन करेंगी। भाजपा किसी बड़े दल के साथ गठबंधन में नहीं है, इसलिए वहां इस तरह की गफलत नहीं है, लेकिन निर्णय लेना और उसे लागू करना वहां भी जटिल बना हुआ है। जम्मू-कश्मीर में दस वर्ष बाद होने जा रहे विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा को अपने प्रत्याशियों की सूची जारी कर उसे जिस तरह वापस लेना पड़ा, उससे उसकी छिछालेदार तो हुई ही है

उपचुनावों को लेकर सीएम योगी की रणनीति, विकास-रोजगार से सियासी खेल बदलने की तैयारी

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश के उपचुनावों में जीत दर्ज करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद को पूरी तरह सक्रिय कर लिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को प्रदेश में बड़े झटके का सामना करना पड़ा था, जिससे अब ये उपचुनाव पार्टी के लिए बेहद अहम हो गए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने 15 अगस्त के बाद से लगातार अलग-अलग जिलों का दौरा करके बीजेपी के लिए जीत की रणनीति तैयार करना शुरू कर दिया है। उन्होंने रोजगार मेलों के माध्यम से युवाओं को साधने और विकास परियोजनाओं के जरिए जनता की नाराजगी दूर करने का प्रयास किया है, ताकि बीजेपी के पक्ष में माहौल बनाया जा सके।

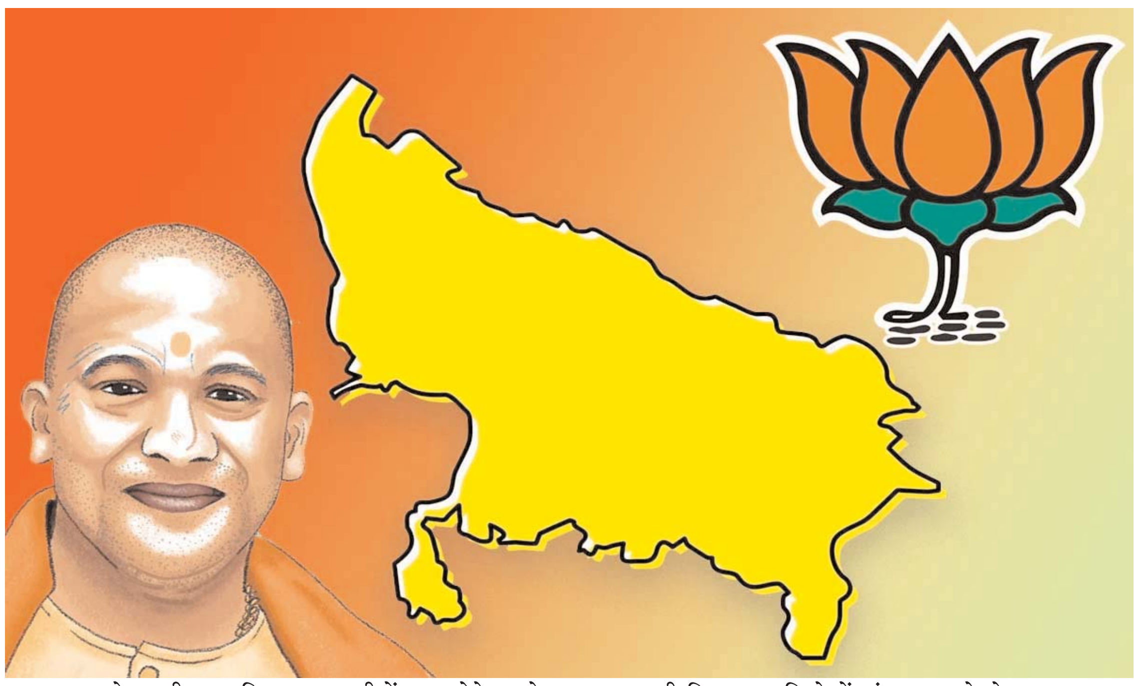

उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों में मीरापुर, गाजियाबाद, अलीगढ़ की खैर, करहल, कुंदरकी, फूलपुर, मिल्कीपुर, कटेहरी, मझवां और सीसामऊ जैसी सीटें शामिल हैं। इनमें से नौ सीटें 2024 के लोकसभा चुनाव में विधायकों के सांसद बनने के कारण खाली हुईं, जबकि सीसामऊ सीट समाजवादी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी के सजा होने के कारण खाली हुई है। 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने इनमें से तीन सीटें जीती थीं, जबकि पांच सीटें समाजवादी पार्टी के पास थीं। शेष दो सीटों पर राष्ट्रीय लोकदल और निषाद पार्टी के विधायक काबिज थे। बीजेपी के लिए ये उपचुनाव सिर्फ अपनी तीन सीटों को बचाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सपा के दबदबे वाली सीटों पर विजय हासिल करके 2024 के लोकसभा चुनाव में हुए नुकसान की भरपाई करने का अवसर भी हैं। लोकसभा चुनाव में बीजेपी को छह सीटों पर सपा से कम वोट मिले थे, जिससे पार्टी की चिंता बढ़ गई थी। यही कारण है कि बीजेपी ने इन उपचुनावों को 2027 के विधानसभा चुनावों का सेमीफाइनल माना है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस चुनावी अभियान को प्राथमिकता दी है। उन्होंने खुद मैदान में उतरकर सियासी माहौल बनाने का मिशन शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी ने 15 अगस्त के बाद से प्रदेश के विभिन्न जिलों का दौरा शुरू किया। अंबेडकर नगर से इस अभियान की शुरुआत हुई और इसके बाद अयोध्या, मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद, मैनपुरी, अलीगढ़ और कानपुर जैसे महत्वपूर्ण जिलों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने रोजगार मेलों का आयोजन कर युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए और विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया। हर जिले में पांच हजार से लेकर 17 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए, जिससे बीजेपी के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश की गई है। योगी आदित्यनाथ उपचुनाव वाले उन जिलों का दौरा कर रहे हैं, जहां रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। इन मेलों में युवाओं को मौके पर ही नियुक्ति पत्र दिए जा रहे हैं। इसके अलावा, योगी विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी कर रहे हैं। उन्होंने लाभार्थीपरक योजनाओं के प्रमाण पत्र और छात्रों को टैबलेट्स वितरित किए हैं। इससे स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री योगी ने उपचुनाव वाली सीटों पर बीजेपी के लिए मजबूत आधार तैयार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। बीजेपी की रणनीति में विकास, रोजगार और संवाद को मुख्य हथियार बनाया गया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को युवाओं की बेरोजगारी को लेकर मिली नाराजगी का सामना करना पड़ा था, जो पार्टी की हार का एक प्रमुख कारण बना। इसे ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रोजगार मेलों का आयोजन कर युवाओं को साधने की कोशिश की है। इन मेलों के माध्यम से युवाओं को नौकरी के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे उनकी नाराजगी को कम किया जा सके। मुख्यमंत्री योगी ने अपनी जनसभाओं में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखे हमले किए हैं। उन्होंने हिंदुत्व के एजेंडे को भी बढ़ावा देने का प्रयास किया है, ताकि बिखरे हुए हिंदू वोटों को एकजुट किया जा सके। योगी आदित्यनाथ ने हर जिले में उपचुनाव वाली सीटों के नेताओं के साथ बैठकें कीं और पार्टी की रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने न केवल राजनीतिक मोर्चे पर बल्कि शासन स्तर पर भी तैयारी की है, जिससे बीजेपी की जीत सुनिश्चित हो सके। योगी आदित्यनाथ ने इन 10 सीटों पर जीत की जिम्मेदारी खुद संभाल ली है। उन्होंने दोनों डिप्टी सीएम और प्रदेश अध्यक्ष को भी इस चुनावी अभियान में शामिल किया है, जिनके जिम्मे दो-दो विधानसभा सीटों की जिम्मेदारी है। साथ ही, मुख्यमंत्री ने अपनी कैबिनेट के मंत्रियों को भी मैदान में उतार दिया है, जो अपने-अपने क्षेत्रों में बीजेपी के लिए जीत सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं। इन उपचुनावों में बीजेपी के सामने सबसे बड़ी चुनौती सपा की मजबूत सीटें हैं। करहल, कुंदरकी, कटेहरी, मिल्कीपुर और सीसामऊ जैसी सीटें बीजेपी के लिए कठिन मानी जा रही हैं। इसके अलावा, मझवां, मीरापुर और फूलपुर जैसी सीटें भी पार्टी के लिए आसान नहीं हैं। यही वजह है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी टीम पूरी तरह से इन सीटों पर फोकस कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस चुनावी अभियान को गंभीरता से लेते हुए पूरी ताकत झोंक दी है। रोजगार, विकास और संवाद के माध्यम से बीजेपी की रणनीति को मजबूत किया जा रहा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि मुख्यमंत्री योगी की यह मेहनत बीजेपी को उपचुनावों में कितनी सफलता दिला पाती है और पार्टी इस जंग को कैसे फतह करती है।

सनातनियों को एकजुट रहने का मन्त्र और विपक्ष की बौखलाहट

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुखर होकर सनातन धर्म और हिंदुत्व की बात करते हैं और निरंतर हिन्दू समाज को एकता और राष्ट्र प्रथम का सन्देश देते रहते हैं । बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हो रही वीभत्स हिंसा का सन्दर्भ लेते हुए उन्होंने अपनी बात को और अधिक स्पष्ट करते हुए कहा कि हम बटेंगे तो कटेंगे। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ का सीधा सन्देश हिन्दू समाज को जातियों में बाँटने से रोकने और हिन्दुओं के लिए इसके कुप्रभावों के प्रति जागरुक करना था। उत्तर प्रदेश में योगी जी के राज्य का मुखिया बनने के साथ ही सभी थानों में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया जाने लगा है जिसने इस पर्व को प्रदेश में एक नया उत्साह दिया है। स्वाभाविक रूप से सेक्यलुर यानि हिन्दू विरोधी शक्तियों को यह उल्लास अच्छा नहीं लगता है। इस बार श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर योगी जी ने आगरा – मथुरा में कई कार्यक्रमों में भाग लिया और जन समुदाय को संबोधित किया। इनमें सबसे अधिक चर्चा उनके आगरा में मारवाड़ शासक महराजा जसवंत सिंह के सेनापति दुर्गादास राठौर की प्रतिमा अनावरण समारोह को संबोधित करते हुए वक्तव्य की हो रही है। इस वक्तव्य में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं हो सकता, राष्ट्र तभी सशक्त हो सकता है जब हम एकजुट रहेंगे। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में देख रहे हो न क्या हो रहा है? ऐसी गलती यहां नहीं होनी चाहिए, समाज जाति भाषा के नाम पर बांटने वाली ताकतों से सावधान रहना होगा। मुख्यमंत्री ने श्री कृष्णजन्माष्टमी बधाई देते हुए कहा, पांच हजार वर्ष पूर्व श्रीकृष्ण ने धर्म पथ का अनुसरण करने को सत्य व न्याय का सन्देश दिया था। हम सभी लोकमंगल व राष्ट्रमंगल के प्रति पूर्ण समर्पण भाव से कार्य करें। ताकि हम सभी मिलकर विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए सर्वश्रेष्ठ योगदान कर सकें।इधर कई अवसरों पर मुख्यमंत्री ने सनातन धर्म पर अपने विचार रख रहे हैं तथा स्पष्ट रूप से कहा है कि सनातन धर्म ही भारत का एकमात्र धर्म है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयानों से समावजादी मुखिया अखिलेश यादव और मुसलमानों के एकमात्र स्वयंभू नेता बनने के लिए लालायित एआईआईएएम के असदुद्दुदीन ओवैसी बौखला गए हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि योगी प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं। कम से कम उन्हें प्रधानमंत्री का रोल नहीं अदा करना चाहिए। यह वही अखिलेश यादव हैं जिन्होंने लोकसभा में चंद सीटें बढ़ते ही लखनऊ में अपने प्रधानमंत्री पद की चाहत वाले पोस्टर लगवा दिये गये थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हिंदू जनमानस से बिल्कुल सटीक व स्पष्ट बात कह रहे हैं क्योकि बांग्लादेश में हिंदुओं पर जिस तरह से अत्याचार हुए उस पर दुनिया में किसी ने भी कहीं भी कोई भी आवाज नहीं उठायी। बांग्लादेश, अफगानिस्तान और पाकिस्तान में हिंदुओं पर लगातार आत्याचार होते आ रहे हैं

संस्कृत का खोया गौरव वापस दिलाना जरूरी

चेतनादित्य आलोक

संस्कृत दुनिया की सबसे पुरानी भाषा है। इसे देवताओं की भाषा यानी %देवभाषा% अथवा %देववाणी% भी कहा जाता है। अतीत में इस भाषा ने भारतीय सभ्यता को आकार प्रदान किया और आज भी इसकी प्रासंगिकता कम नहीं हुई है। सच कहा जाए तो संस्कृत केवल एक भाषा ही नहीं है, बल्कि हिंदू संस्कृति का आधार स्तंभ है। यह अपने आप में ज्ञान, विज्ञान, धर्म, संस्कार, संस्कृति एवं आध्यात्मिकता का विशाल भंडार समेटे हुए है। संस्कृत भाषा के अत्यन्त विशाल और व्यापक भंडार में गद्य, पद्य एवं चम्पू तीनों रूप मौजूद हैं। संस्कृत के इस महाभंडार में विश्व के प्रथम ग्रन्थ %ऋग्वेद% समेत चारों वेद, समस्त उपनिषद, श्रीमद्भाग्वत महापुराण सहित अट्ठारहों पुराण, अत्यंत लोकप्रिय तथा सनातन संस्कृति एवं सभ्यता के निरूसीम प्रामाणिक विस्तार वाली गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित महान ग्रंथ श्रीरामचरित मानस तथा श्रीराम कथा का प्रामाणिक आधार ग्रंथ महर्षि वाल्मिकी कृत रामायण, स्मृतियां, सूक्त, त्रयीसंग्रह, धर्मशास्त्र, महाभारत एवं अन्य कई महाकाव्य, नाटक आदि शामिल हैं। इनके अतिरिक्त शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छन्द ज्योतिष, वेदांग-न्याय, वैशेषिक सांख्य योग, वेदांग मीमांसा, दर्शन आदि इसी भाषा की देन हैं। दर्शनों में हिंदू, जैन, बौद्ध, चार्वाक, आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन प्रमुख रूप से उल्लेखनीय हैं। रचनाकारों में अगस्त्य, अमरु, असाग, अश्वघोष, आर्यशूर, वाल्मीकि, व्यास, भल्लट, भवभूति, भीमस्वामी, भूवनदेव, मंखक, दंडी, भास, भारवि, कल्हण, कौटिल्य, कुंतक, सुबन्धु, माघ, बाणभट्ट, कालिदास, रत्नाकर स्वामी, श्रीहर्ष, जल्हण, जयदेव, शूद्रक,

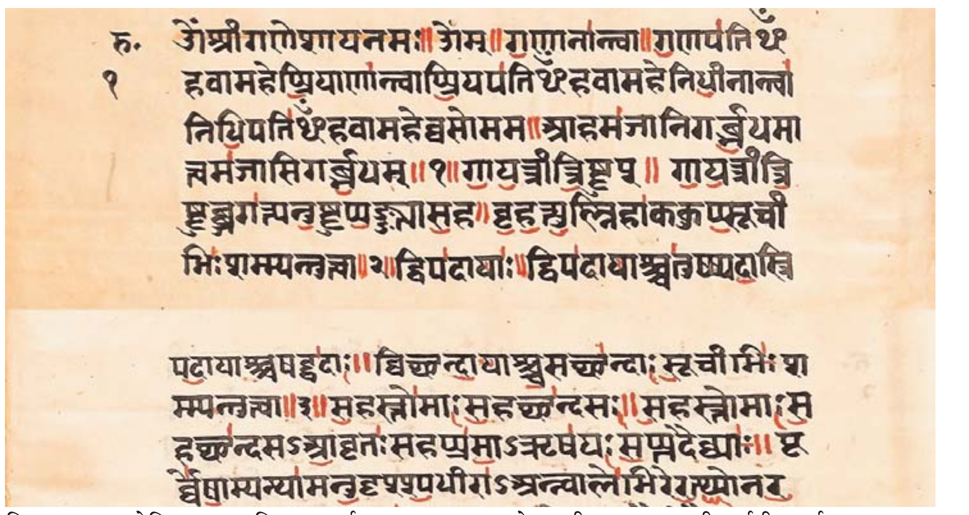

विशाखदत्त, लोलिम्बराज, विष्णु शर्मा, सत्यव्रत शास्त्री, हर्ष, राजशेखर एवं हर्षवर्धन आदि कवि, नाटककार, गद्यकार तथा पाणिनि जैसे अनन्य व्याकरणविद् संस्कृत भाषा के गरिमामय भंडार के महत्वपूर्ण अंग हैं। गौरतलब है कि संस्कृत भाषा के गर्भ से अनेक देशी एवं विदेशी भाषाओं का जन्म होने के कारण इसे %भाषाओं की जननी% भी कहा जाता है। हालांकि पिछली सदियों में संस्कृत भाषा और इसमें रचित साहित्य तथा इसे रचने वाले साहित्यकारों को बहुत उपेक्षाएं झेलनी पड़ीं, लेकिन इसके बावजूद इसकी प्रासंगिकता हमेशा बनी रही और आज भी कायम है, जबकि लैटिन एवं ग्रीक सहित दुनिया की दूसरी कई भाषाएं उपेक्षित होकर समय के तीव्र प्रवाह में काल-कवलित हो गयीं। संस्कृत भाषा की प्रासंगिकता बनी रहने का सबसे बड़ा कारण यह है कि देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली इस भाषा की वर्तनी, वर्ण, अक्षर तथा इनसे बनने वाले शब्दों के उच्चारण में आभासी अन्तर बिल्कुल नहीं होता। तात्पर्य यह कि संस्कृत एक सुनिश्चित व्याकरण वाली पूर्णतरू वैज्ञानिक भाषा है। संस्कृत को आधुनिक तकनीक में अपनी क्षमता के लिए भी पहचाना जाता है, विशेष रूप से कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में और यही कारण है कि आज इसको आधुनिक लोक-जीवन शैली के सर्वाधिक महत्वपूर्ण साधन कम्प्यूटर की महत्वपूर्ण भाषा होने का गौरव भी प्राप्त है। संस्कृत भाषा का संरचित वाक्य-विन्यास और व्याकरण इसे कम्प्यूटर की प्रोग्रामिंग भाषाओं के लिए भी उत्कृष्ट बनाता है। अब तो वैज्ञानिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एवं अन्य अत्याधुनिक तकनीकों में भी इस भाषा के उपयोग की संभावनाएं तलाशने में लगे हुए हैं। दरअसल, संस्कृत की संरचना इतनी सटीक है और इसकी ध्वन्यात्मकता इतनी समृद्ध है कि इसे आध्यात्मिक प्रवचन के लिए भी सर्वाधिक उपयुक्त भाषा माना जाता है। आजकल इसे लेकर जर्मनी में अनेक स्तरों पर अनुसंधान-कार्य भी किए जा रहे हैं। अत्याधुनिक और विराट मारक क्षमता वाले हमारे देशी प्रक्षेपास्त्रों के लिए प्रारंभिक चिंतन का आधार भी संस्कृत में विरचित हमारे वेद एवं उनकी विविध संहिताएं रही हैं। ये वही वेदशास्त्र हैं, जिनसे हमारी महत्वपूर्ण वैदिक परंपरा आरंभ हुई। यह परंपरा सनातन धर्म की नींव है। संस्कारों की बात करें तो इस वैदिक परंपरा में कुल 16 संस्कार होते हैं। ये संस्कार वास्तव में 16 महत्वपूर्ण अनुष्ठान होते हैं, जो आद्योपांत व्यक्ति के जीवन से जुड़े रहते हैं। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो ये अनुष्ठान जन्म से मृत्यु तक व्यक्ति का मार्गदर्शन करते हैं। इन संस्कारों में सबसे महत्वपूर्ण %उपनयन संस्कार% माना जाता है, जो कि दसवां संस्कार होता है। यह अनुष्ठान प्राचीन काल से ही बच्चों की औपचारिक शिक्षा की शुरुआत का प्रतीक रहा है। यह सावन पूर्णिमा को आयोजित किया जाता है, जब संस्कृत में %गायत्री मंत्र% के पाठ के साथ बच्चों को वैदिक शिक्षा की दीक्षा दी जाती है। यह दीक्षा ज्ञान और आध्यात्मिक शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों के प्रवेश का प्रतीक होती है, जो व्यक्तियों के शैक्षिक और आध्यात्मिक जीवन के संदर्भ में संस्कृत भाषा के महत्व को रेखांकित करती है। संस्कृत भाषा की इन्हीं विशेषताओं एवं उपयोगिताओं को ध्यान में रखते हुए इसको सम्मान एवं संरक्षण देने तथा इसके पुनरुत्थान के उद्येश्य से लगभग 55 वर्ष पूर्व सन् 1969 की %सावन पूर्णिमा% को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के आदेश पर पहली बार कृतज्ञ राष्ट्र ने %संस्कृत दिवस% मनाया था। इस बेहद महत्वपूर्ण अनुष्ठान के लिए सावन पूर्णिमा तिथि के चयन का प्रमुख कारण यह है कि प्राचीन काल में भारतवर्ष के समस्त अध्ययन केंद्रों में शिक्षण-सत्र का शुभारंभ सावन पूर्णिमा के शुभ दिन को ही शुभ मुहूर्त में किया जाता था। यह शिक्षण-सत्र अगले वर्ष पौष पूर्णिमा तक चलता था और प्रत्येक वर्ष पौष पूर्णिमा से सावन पूर्णिमा तक देश भर के सभी अध्ययन केंद्र बन्द रहते थे। शिक्षण-सत्र का शुभारंभ हंसी-खुशी, उमंग और उत्सव के माहौल में वेद एवं अन्य शास्त्रों के पाठ के साथ किया जाता था। कमोबेश उसी परंपरा को मानते हुए सन् 1969 से लेकर आज तक प्रायरू प्रत्येक वर्ष %सावन पूर्णिमा% को भारत सरकार संस्कृत दिवस का आयोजन करती आ रही है। इसके अतिरिक्त देश भर की राज्य सरकारें शिक्षण संस्थान एवं अध्ययन केंद्र भी संस्कृत दिवस का आयोजन करते हैं। इस दिन राज्य एवं जिला स्तरों पर संस्कृत भाषा में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें कवि-सम्मेलनों के अतिरिक्त लेखकों तथा आचार्यों की संगोष्ठियां भी शामिल होती हैं। स्कूलों एवं कॉलेजों में विद्यार्थियों के बीच भाषण एवं %श्लोक-पाठ% प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। संस्कृत भाषा के उत्थान को लेकर मनीषी राजनेता भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार द्वारा उनके प्रधानमंत्रित्व काल के दौरान सन् 2000 में %संस्कृत सप्ताह% के आयोजन की आधिकारिक घोषणा की गई थी। हालांकि इस प्रकार की औपचारिकताएं निभाने मात्र से संस्कृत भाषा का कल्याण नहीं होने वाला। इसके लिए तो जरूरी है कि देश भर में अंग्रेजी भाषा के प्रभुत्व को रोका जाए, साथ ही, उसके प्रभाव एवं वर्चस्व को कम करने का प्रयास किया जाए।

पत्नी को बच्चा नहीं होने पर मार डाला

पति कैरेक्टर पर भी करता था शक, गला घोंटकर बताया करंट लगने से मौत

मीडिया ऑडीटर, कोरबा निप्र। छत्तीसगढ़ के कोरबा पति ने पत्नी को बच्चा नहीं होने और चरित्र शंका में मार डाला। हत्या की वारदात को करंट से मौत दिखाने की साजिश रची, लेकिन पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में गला घोंटने का खुलासा हो गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पूरा मामला हरदी बाजार चौकी क्षेत्र के कटकीडबरी घौरभांठा बस्ती का है।

मिली जानकारी के मुताबिक 16 अगस्त को ममता दिवाकर (22) लाश घर पर मिली थी। जहां उसके पति महेंद्र दिवाकर ने कूलर से करंट लगने से मौत बताया था। गले में कुछ संदिग्ध निशान भी मिले थे।

दामाद ने बेटी को मार डाला: वहीं मामले में मृतिका ममता के पिता ने दामाद पर हत्या करने की आशंका जताई थी। उन्होंने कहा था कि बेटी की मौत करंट से नहीं, बल्कि उसे मारा गया है। परिजनों ने मामले की शिकायत हरदी बाजार चौकी थाने में की थी।

2 साल पहले शादी हुई थी दोनों की शादी: उन्होंने बताया कि महेंद्र दिवाकर और ममता दिवाकर की 2 साल पहले शादी हुई थी। शादी के बाद दोनों परिजनों से अलग रहते थे। दोनों के बीच आए दिन बच्चे नहीं होने के कारण अक्सर दोनों के बीच लड़ाई होती थी। इसके साथ ही और अन्य बातों को लेकर विवाद होते रहता था।

मां-बाप को फोन पर लड़ाई की देती थी जानकारी: मृतिका के पिता ने बताया कि 16 अगस्त की सुबह ममता की तबीयत खराब थी। गांव के किसी डॉक्टर के पास इलाज कराए थे। वहां से घर लौटने के बाद फिर दोनों के बीच लड़ाई हुई। ममता हमेशा की तरह लड़ाई की जानकारी अपने माता-पिता को फोन कर दी। इससे पति गुस्सा हो गया और मार दिया।

हत्या कर लाश को कूलर के पास रखा: वारदात के बाद आरोपी ने शातिराना तरीके से हत्या को हादसे में बदलने की साजिश की। हत्या के बाद लाश को कूलर के पास रख दिया। इसके बाद खेत में काम कर रहे अपने मां-बाप के पास पहुंचा। उसने बताया कि पत्नी की कूलर से करंट लगने से मौत हो गई।

पूछताछ में आरोपी ने कबूला जुर्म: मामले में पुलिस ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में करंट लगने से मौत की बात नहीं आई। गला घोंटकर हत्या की गई है। आरोपी को दशगात्र कार्यक्रम के बाद थाने में पूछताछ के लिए बुलाया गया। इस दौरान आरोपी से सख्ती से पूछताछ की गई। आरोपी ने जुर्म कबूल कर लिया है। गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया है।

चड्डी-बनियान गैंग की एंट्री, हाथों में कटर और धारदार हथियार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में चोरी करने वाले चड्डी-बनियान गैंग की एंट्री हुई है। शहर के आउटर के कॉलोनी और सोसाइटी में इस गैंग के चार सदस्यों को देखा गया है। बनियान गैंग के लोग हाथों में कटर और धारदार हथियार लेकर नंगे पांव कॉलोनियों में घूमते और रेकी करते सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए हैं। आवाज न आए इसलिए चप्पल-जूतों को हाथों में रख लेते हैं। गैंग के लोगों के दिखने से आउटर के इलाकों में खौफ बना हुआ है।

गैंग का जो सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, दावा किया जा रहा है कि ये वीडियो रिंग रोड नंबर-3 के किनारे स्थित एक सोसायटी का है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि चार संदिग्ध लोगों ने बनियान पहन रखा है और हाथों में चप्पल और जूते थामे हुए हैं। फिर वे दबे पांव धीरे-धीरे चल रहे हैं। जिससे कि बाहर किसी तरह की आवाज न आ पाए।

जानकारी के मुताबिक, ये चोर गैंग कॉलोनी में घूम कर अलग-अलग घरों में रेकी करते हैं। घरों में ताला तोड़ने के लिए अपने हाथों में धारदार सामान रखे होते हैं। इसके अलावा इनके हाथों में कटर भी होता है।

वारदात के दौरान किसी घर में कोई व्यक्ति जाग जाता है तो यह उन पर हमला भी कर देते हैं। बता दें कि रायपुर के आउटर इलाकों में लगातार चोरी की वारदातें सामने आ रही हैं। फिलहाल, इस मामले में पुलिस अब तक इस गैंग को पकड़ने में सफल नहीं हो पाई है।

चड्डी-बनियान गिरोह के बदमाश बिना कपड़े पहने चोरी करने पहुंचते हैं। उनके शरीर पर सिर्फ एक अंडरवियर ही होता है। कभी-कभी वे बनियान भी पहन लेते हैं।

पुलिस के मुताबिक चड्डी-बनियान पहनकर जब भी वे कहीं चोरी करने जाते हैं तो उनकी वेशभूषा देखकर ही लोग घबरा जाते हैं। इसी मानसिकता के चलते यह गिरोह काम करता है।

जिले में अब तक 929.0 मिमी औसत वर्षा की गयी दर्ज

चिरमिरी (एजेंसी)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में 01 जून से 30 अगस्त 2024 तक 929.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 1071.3 मिमी मनेन्द्रगढ़ तहसील में तथा न्यूनतम 828.2 मिमी खड़गवां तहसील में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील केल्हारी में 1040.7 मिमी, तहसील चिरमिरी में 879.8 मिमी, तहसील कोटाडोल में 906.9 मिमी, तहसील भरतपुर में 847.6 मिमी तथा तहसील खड़गवां में 828.2 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है।

रायपुर में 40 लाख रुपये का लोन लेकर भाग गए शातिर

कर्ज के पैसे से खरीदी गाड़ी, फिर किस्त देना किया बंद, धोखाधड़ी में गारंटर गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। राजधानी रायपुर के पंजाब नेशनल बैंक से 40 लाख रुपए का लोन लेकर 2 युवक शहर से फरार हो गए। लंबे समय तक जब उन्होंने बैंक का लोन नहीं चुकाया तो ब्रांच मैनेजर ने इसकी शिकायत पुलिस से की। मामले में पुलिस ने लोन के गारंटर फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पूरा मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, पंजाब नेशनल बैंक अनुपम नगर के ब्रांच मैनेजर ने पुलिस से शिकायत की। उन्होंने बताया कि ऋषि तिवारी नाम के एक व्यक्ति ने करीब 5-6 साल पहले बैंक से लोन लिया था। कंक्रीट पावर मशीन खरीदने के लिए 39 लाख 90 हजार रुपए बैंक ने दिया था। लोन में दीपक तिवारी नाम का व्यक्ति गारंटर था। यह दोनों आपस में रिश्तेदार हैं।

शहर से हुए फरार

आरोपियों ने लोन के पैसे से गाड़ी खरीदने के बाद लोन की राशि बैंक में चुकानी बंद कर दी। बैंक के अधिकारियों ने उन्हें कई बार अल्टीमेटम दिया, लेकिन आरोपी ने उसका कोई जवाब नहीं दिया।गुरुवार को पुलिस ने गारंटर दीपक तिवारी को धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है।

दिनदहाड़े रेत माफिया कर रहे खनन

महानदी से रेत निकाल रहे, कलेक्टर बोले- लोकेशन भेजो, कार्रवाई करूंगा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रेत घाटों में माफिया की मनमानी जारी है। घाटों में उत्खनन पर प्रतिबंध होने के बावजूद माफिया दिन हो या रात लगातार उत्खनन कर रहे हैं। रेत माफिया के कारनामे का दैनिक भास्कर की टीम ने स्टिंग करके खुलासा किया था। बावजूद इसके कई इलाकों में खनन जारी है।

29 अगस्त को रेत उत्खनन करने का एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो आरंग के पारागांव का है, जहां रेत माफिया ट्रैक्टर के माध्यम से रेत निकालने का काम कर रहा है, लेकिन मामले में कार्रवाई करने के बजाए खनिज विभाग के अधिकारी मौन बैठे हैं।

रेत माफिया अभी भी खुलेआम उत्खनन कर रहे: रायपुर कलेक्टर गौरव सिंह को उक्त पूरे प्रकरण की जानकारी दी है। कलेक्टर गौरव सिंह ने कहा कि रेत माफिया के ठिकाने की लोकेशन भेजा, कार्रवाई करूंगा। अधिकारियों की इस कार्यप्रणाली का असर ये आ रहा है कि रेत माफिया अभी भी खुलेआम उत्खनन कर रहे हैं।

खनिज विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल: जब रेत घाट में माफिया का स्टिंग किया था, कि पूरा सिस्टम बना हुआ है। वे रेत उत्खनन करके बिना रायल्टी रायपुर, महासमुंद, चंपारण से लेकर अभनपुर और दुर्ग तक रेत भेज रहे हैं, लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। माफियाओं ने जिम्मेदारों से सेटिंग होने का दावा किया था।

तहसीलदार की जांच भी कार्यालय तक सीमित: खुलेआम उत्खनन कर रहे रेत माफियाओं पर कार्रवाई कब होगी? दैनिक भास्कर टीम ने बुधवार 28 अगस्त को आरंग तहसीलदार सीता शुक्ला से यह जानकारी मांगी थी। तहसीलदार सीता शुक्ला ने दोहराया था कि वे मामले की जांच कर कार्रवाई करेंगी।

29 अगस्त को टीम को स्थानीय निवासियों के माध्यम से महानदी में उत्खनन कर रहे माफियाओं का एक वीडियो फिर मिला। टीम ने मामले की जानकारी देने के लिए आरंग तहसीलदार को मैसेज भेजा और उनसे संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन वे पूरे मामले की जानकारी देने से बचती नजर आईं।

छत्तीसगढ़ के जिस थाने में दर्ज थी गुमशुदगी...वहीं मिली लाश

मीडिया ऑडीटर, बलौदाबाजार (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में एक महीने से लापता बुजुर्ग महिला की लाश थाना परिसर में ही मिली है। सिमगा थाने में ही महिला की गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई थी। पुलिस बुजुर्ग महिला की खोजबीन में लगी थी, लेकिन अचानक थाने में ही महिला का शव मिलने से सभी हैरान हैं।

पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया और पहचान पहले से दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्ट के आधार पर की गई। अब इसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। मामले की जांच कर जब सीसीटीवी खंगाला गया तो ये महिला परिसर के पास दिखी। फिलहाल, पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि महिला की मौत कैसे हुई।

जब्त गाड़ियों के मिलान के वक्त दिखा शव: जानकारी के मुताबिक, बुजुर्ग महिला का नाम जुगन बाई है जो 90 साल की थी। एक महीने पहले उसके बेटे ने ही मां के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। थाना प्रभारी योगिता खापर्डे का कहना है कि 27 अगस्त को प्रधान आरक्षक दिनेश जांगड़े थाने में जब्त गाड़ियों का मिलान कर रहा था। इसी दौरान उन्हें गाड़ियों के बीच झाड़ी में एक बुजुर्ग महिला की लाश दिखी। जांच की गई तो पता चला कि थाने में महिला की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज है।

परिसर में पैदल आते दिखी महिला: लाश सड़ी गली हालत में मिली है। इसके बाद एक महीने पहले का सीसीटीवी फुटेज भी खंगाला गया। थाने में लगे कैमरे में यह महिला परिसर की ओर अकेले पैदल चल कर आते हुए भी दिखाई दे रही है। हालांकि इसके बाद क्या हुआ इसकी पुलिस जांच कर रही है।

अमेरिकी दंपती ने जशपुर के अनाथ बच्चे को लिया गोद

दत्तक ग्रहण एजेंसी के माध्यम से कानूनी प्रक्रिया कर 3 साल के बच्चे को लेने जशपुर आए

मीडिया ऑडीटर, जशपुरनगर एजेंसी। जशपुर जिले में एक तीन वर्षीय अनाथ बच्चे की जिंदगी ने नई करवट ली है। उसे अमेरिका से आए दंपती ने उसे गोद लिया है। इस बच्चे को महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम की देखरेख में दत्तक ग्रहण एजेंसी के माध्यम से कानूनी रूप से गोद लिया गया है। यह अमेरिकी दंपती अपनी छह वर्षीय बेटी के साथ विशेष रूप से भारत आए थे, ताकि वे भारत से एक बच्चा गोद ले सकें।

दंपती ने इस दौरान भारत के प्रति अपने स्नेह और सम्मान को व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय लोग बेहद अच्छे और स्नेही होते हैं। यही कारण है कि उन्होंने भारत से एक बच्चा गोद लेने का निर्णय लिया। गोद लेने की पूरी प्रक्रिया को कानूनी और पारदर्शी तरीके से संपन्न किया गया। दंपती ने आश्वासन दिया कि वे इस बालक को अपने परिवार का सदस्य मानते हुए उसे हर संभव प्यार, शिक्षा, और चिकित्सा सहायता प्रदान करेंगे।

गोद लेने वाली अमेरिकी महिला इमिली ने कहा हमें बच्चे बहुत पसंद हैं। अभी हम घर में तीन लोग हैं और हमने भारत से बच्चा गोद लेने का फैसला इसलिए किया क्योंकि हमें यहां के लोग बहुत अच्छे लगते हैं। हम उसे अपने बच्चे की तरह प्यार करेंगे, उसे अपनी संपत्ति में हिस्सा देंगे, उसे अच्छी शिक्षा और चिकित्सा सहायता देंगे। हम बहुत भाग्यशाली हैं कि हम उसके माता-पिता बन रहे हैं।

बच्चे को अच्छा जीवन व अवसर देने का किया वादा: अमेरिकी पुरुष निक ने कहा कि हमारे दिल में यह भावना आई कि हमें एक बच्चा गोद लेना चाहिए। हम भारत से इसलिए बच्चा ले रहे हैं, क्योंकि यहां के लोग बहुत ही अच्छे होते हैं। हम उसे अपने घर और दिल में जगह देना चाहते हैं और उसे हमेशा प्यार देंगे। हम उसे जीवन की सबसे बेहतरीन अवसर देंगे। महिला एवं बाल विकास विभाग डिम्पल कोर्राम ने कहा कि यह गोद लेने की प्रक्रिया पूरी तरह से कानूनी और पारदर्शी तरीके से की गई है।

गोद लेने के लिए नियम का पालन करना जरूरी: किसी अनाथ या बेसहारा बच्चे को कौन गोद ले सकता है, इसका पूरा नियम बना हुआ है। शादी-शुदा पति-पत्नी किसी अनाथ बच्चे को तभी गोद ले सकते हैं। जब उनकी शादी के दो साल हो गए हों और उनका दांपत्य जीवन स्थिर हो। यानी तलाक आदि झंझटों से मुक्त हो। कोरोना महामारी ने बड़ी संख्या में बच्चों को अनाथ बनाया है। यह बच्चा अब अपने नए परिवार के साथ रहेगा। जहां उसे न केवल परिवार का प्यार मिलेगा। बल्कि एक सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की भी गारंटी है।

जगदलपुर एकलव्य के 30 बच्चे फूड प्वाइजनिंग के शिकार

मीडिया ऑडीटर, बस्तर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में बस्तर जिले के एकलव्य आवासीय विद्यालय के 30 बच्चे फूड प्वॉइजनिंग के शिकार हो गए हैं। जगदलपुर के महारानी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। 23 बच्चों की स्थिति ठीक है, उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है, जबकि 7 बच्चे एडमिट हैं। सभी को उल्टी-दस्त की शिकायत होने पर स्कूल प्रबंधन ने सुबह अस्पताल में भर्ती करवाया था। बताया जा रहा है कि एक दिन पहले स्कूल में स्पोर्ट्स डे मनाया गया। शाम के वक्त बच्चों ने बरबट्टी और आलू की सब्जी खाई थी। कुछ ने बाहर का भी खाना खाया था। आधी रात से उनकी अचानक तबीयत बिगड़ने लगी। एकाएक बच्चों को उल्टी-दस्त होने लगी, जिसके बाद 108 की मदद से अस्पताल लाया गया।

पूजा के दौरान आग की चपेट में आई पत्नी, पति भी झुलसा

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में कोरकोमा गांव में पूजा करते समय पति पत्नी आग की चपेट में आ गए। दोनों की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। दोनों की हालत को देखते हुए बिलासपुर रेफर कर दिया गया है। घटना रजगामार चौकी क्षेत्र की है। कोरकोमा निवासी दिनेश प्रजापति (32) और पत्नी लक्ष्मी देवी प्रजापति (31) आग चपेट में आने से 90% जल चुके हैं। बताया जा रहा है कि बुधवार की रात लगभग 8.00 बजे यह घटना हुई। लक्ष्मी देवी घर पर पूजा कर रही थी। इसी दौरान घर के स्टोर रूम में दिया जलाते समय माचिस के तिली को फेंक दी। वहां डिब्बे में रखें पेट्रोल की वजह से अचानक भीषण आग लग गई।

स्कूलों को मर्ज करने के फैसले पर रोक

प्रदेशभर में स्कूल बंद और महारैली की थी तैयारी, शिक्षकों ने दिया था अल्टीमेटम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग के युक्तियुक्तकरण (जिन स्कूलों में राष्ट्रीय मानक से कम विद्यार्थी होंगे, उन्हें आस-पास के स्कूलों में मर्ज किया जाना) को लेकर शिक्षकों के विरोध के बाद सरकार ने इस फैसले पर रोक लगा दी है। नए फैसले का शिक्षकों ने भी स्वागत किया है।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के संयोजक कमल वर्मा ने कहा कि यह फेडरेशन और शिक्षकों के सभी संगठनों के एकता का परिणाम है। फेडरेशन के दबाव में शासन को अपना आदेश रद्द करना पड़ा।

सरकार को मिला था 16 सितंबर तक का अल्टीमेटम: शिक्षक संघ ने सरकार को 16 सितंबर तक का अल्टीमेटम दिया था। 16 सितंबर तक अगर विभाग या सरकार की तरफ से विसंगतियों को दूर करने को लेकर कोई फैसला नहीं लिया जाता है, तो शिक्षक सड़कों पर प्रदर्शन करने की तैयारी में थे।

रायपुर में महारैली की थी तैयारी: शिक्षक संगठनों के संयुक्त महासंघ और कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन की ओर से 16 सितंबर को सभी स्कूलों को बंद कर राजधानी में महारैली के लिए अल्टीमेटम दे दिया था। सेटअप से अलग प्राइमरी और मिडिल स्कूलों में शिक्षकों की संख्या में कटौती किए जाने से सभी शिक्षक संगठन नाराज थे।

सचिव के साथ बैठक विफल: अल्टीमेटम देने के बाद विभाग के सचिव ने दूसरे ही दिन बुधवार को शिक्षक संगठन के साथ बैठक बुलाई थी। सचिव-शिक्षकों की बीच हुई यह बैठक विफल रही, जिसके बाद शिक्षकों ने रायपुर में महारैली और स्कूल बंद कर प्रदर्शन की तैयारियां तेज कर दी थी, लेकिन अब सरकार ने रोक लगा दी है।

पदोन्नति से निकलेगा समस्या का हल: शिक्षक संघ की ओर से वीरेंद्र दुबे ने कहा कि सरकार ने अपने फैसले पर रोक लगाई है। शिक्षक संघ सरकार के इस फैसले का स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि जो फैसला लिया गया था, उसमें कई खामियां थी। उन खामियों को हमने सचिव के सामने रखा था।

उन्होंने बताया कि हमने कहा था कि जो शिक्षक योग्य हैं, उनकी पदोन्नति कर दी जाए। इस समस्या से निजात पाया जा सकता है। हम सचिव से यह भी उम्मीद करते हैं कि जो हमने सुझाव अब तक दिए हैं, उन पर भी विचार किए जाएंगे। उन्हें आगे शामिल किया जाएगा।

बॉयफ्रेंड ने दोस्तों के साथ मिलकर किया गर्लफ्रेंड से गैंगरेप

मीडिया ऑडीटर, कोंडागांव (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में बॉयफ्रेंड ने अपने 4 दोस्तों के साथ मिलकर गर्लफ्रेंड का गैंगरेप किया। घर छोड़ने के बहाने उसे जंगल ले जाकर 5 लोगों ने बारी-बारी से दुष्कर्म किया है। 19 साल की युवती को धमकी दी थी कि यदि इस बारे में किसी को बताया तो जान से मार देंगे। अब एफआईआर के बाद पुलिस ने पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। मामला जिले के केशकाल थाना क्षेत्र का है।

रिश्तेदार के घर गई थी युवती: जानकारी के मुताबिक 9 अगस्त को युवती अपने किसी रिश्तेदार के घर सिलाई मशीन लेने के लिए केशकाल गई थी। उसके साथ उसकी एक सहेली भी थी। शाम के वक्त उसने अपने बॉयफ्रेंड कमलेश नेताम को फोन कर घर छोड़ने को कहा। जिसके बाद कमलेश समेत उसका एक और दोस्त बाइक लेकर पहुंचे। दोनों ने युवती और उसकी सहेली को बाइक पर बिठाया। जिसके बाद उन्हें घर छोड़ने के लिए निकले।

ममता की मोदी को 8 दिन में दूसरी चिट्ठी

कोलकाता। कोलकाता रेप-मर्डर केस को लेकर ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री मोदी को 8 दिन में दूसरी चिट्ठी लिखी है। इसमें ममता ने कहा- मैंने 22 अगस्त को रेपिस्ट को कड़ी सजा देने के लिए कानून की मांग को लेकर पत्र लिखा था, लेकिन इतने संवेदनशील मुद्दे पर आपकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला। हालांकि, भारत सरकार की ओर से एक जवाब जरूर मिला, लेकिन उसमें मुद्दे की गंभीरता पर ध्यान नहीं दिया गया। मैं फिर से अनुरोध करती हूं कि रेप-हत्या जैसे जघन्य अपराधों पर केंद्र सरकार कड़ा कानून बनाए। इस कानून में तय वक्त में केस खत्म होने का प्रावधान भी होना चाहिए। दरअसल, ममता ने 22 अगस्त को पीएम को लिखी चिट्ठी में कहा था कि देश में रोज 90 रेप हो रहे हैं। फास्टट्रैक कोर्ट बनाना चाहिए। इसके जवाब में 26 अगस्त को महिला विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने ममता को चिट्ठी लिखी थी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि बंगाल में 123 फास्टट्रैक कोर्ट में से ज्यादातर बंद हैं। ममता ने दूसरी चिट्ठी में इसका भी जवाब दिया।

आंध्र प्रदेश में गर्ल्स हॉस्टल के वॉशरूम में हिडन कैमरा

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश में कृष्णा जिले के गुडीवाड़ा में एक इंजीनियरिंग कॉलेज के गर्ल्स वॉशरूम में हिडन कैमरा मिलने के बाद हंगामा हो गया। मामला गुडलावलेरु कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग का है। घटना की जानकारी मिलते ही स्टूडेंट्स ने नारेबाजी शुरू कर दी। पुलिस ने इस मामले में कॉलेज में बीटेक फाइनल ईयर के स्टूडेंट विजय कुमार को पकड़ा है। पुलिस ने आरोपी का फोन और लैपटॉप भी जब्त किया है। बताया जा रहा है कि हिडन कैमरे से छात्राओं के वीडियो रिकॉर्ड करके बेचे जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक अब तक लगभग 300 फोटो-वीडियो लीक हो चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गुडलावलेरु कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग को इस बारे में एक हफ्ते पहले बताया गया था, लेकिन कॉलेज ने इस पर कोई एक्शन नहीं लिया। गुरुवार को छात्राओं ने नारेबाजी शुरू कर दी। प्रदर्शन की खबर मीडिया तक न पहुंचे, इसलिए मैनेजमेंट ने कॉलेज के गेट बंद कर दिए थे। हालांकि छात्राओं ने देर रात तक प्रदर्शन जारी रखा तो पुलिस को मामले की जानकारी मिली।

झारखंड के पूर्व सीएम चंपाई सोरेन भाजपा में शामिल

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन बीजेपी में शामिल हो गए। रांची के धुर्वा स्थित शहीद मैदान में हुए कार्यक्रम में शिवराज सिंह चौहान और हिमंत बिस्व सरमा ने शुक्रवार (30 अगस्त) को उन्हें भाजपा की सदस्यता दिलवाई। इस अवसर पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि चंपाई सोरेन के आने से भाजपा मजबूत होगी। टाइगर अभी जिंदा है। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जेजेपी अब पति-पत्नी और दलालों की पार्टी रह गई है। वहीं, चंपाई सोरेन ने कहा, मैं दिल का साफ हूं, मैंने कभी नहीं सोचा था मेरी जासूसी होगी। जिसने झारखंड के लिए लड़ाई लड़ी उसके पीछे जासूस लगाया। उस दिन के बाद हमने फैसला लिया कि दल में जाएंगे, जनता की सेवा करेंगे। चंपाई ने बुधवार, 28 अगस्त को देर शाम झारखंड मुक्ति मोर्चा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा था, हमने जो भी फैसला लिया है, झारखंड के हित में लिया है। हम संघर्ष करने वाले व्यक्ति हैं, पीछे नहीं हटेंगे।

मध्यप्रदेश उत्सव से म.प्र. को जानने समझने का मिलेगा अवसर : मुयमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, जनजातीय विरासत, पर्यटन, कला, रहन-सहन एवं विविध व्यंजन इत्यादि की दृष्टि से समृद्ध राज्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश के दिल (मध्यप्रदेश) की समृद्ध, सांस्कृतिक धरोहरों से दिल्ली एवं अन्य प्रदेश के लोगों को परिचित कराने के लिये देश की राजधानी में 4 दिवसीय मध्यप्रदेश उत्सव का अनूठा आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को दिल्ली स्थित मध्यप्रदेश भवन में मध्यप्रदेश उत्सव का रंगारंग शुभारंभ कर यह बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर दिल्ली में पहली बार वृहद स्तर पर मध्यप्रदेश उत्सव का आयोजन किया गया है, जो 30 अगस्त से 2 सितंबर, 2024 तक चलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश उत्सव के आयोजन से दिल्लीवासियों एवं अन्य राज्यों से आये पर्यटकों को देश के हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश की समृद्धशाली विविधताओं से परिपूर्ण संस्कृति सहित अन्य पहलुओं को जानने

का मौका मिलेगा। आगंतुक न सिर्फ प्रदेश की समृद्ध विरासत को जानेंगे, समझेंगे बल्कि विविधताओं से भरे मध्यप्रदेश के विभिन्न अंचलों में बनाये जाने वाले विशिष्ट व्यंजनों सहित सुपर फूड में श्रीअन्न से निर्मित व्यंजनों का आनंद ले सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में पुरातत्व विभाग द्वारा बेहतरीन कार्य किया गया है। विभाग प्राचीन जर्जर मंदिरों और देवस्थानों को पुनर्स्थापित करने का चुनौतीपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक कर रहा है। उन्होंने संचालनालय पुरातत्व अभिलेखाकर एवं संग्रहालय द्वारा आयोजित 'मध्यप्रदेश की विरासत' प्रदर्शनी की सराहना की। मध्यप्रदेश उत्सव में लगाई गई प्रदशर्नी में एक ओर गोंड कलाकारों की चित्रकला को सम्मान और दूसरी ओर लगभग 10 हजार वर्ष पुराने भीमबैठका के शैलचित्रों से सबको अवगत कराने का अभिनव प्रयास किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनसंपर्क विभाग की प्रदर्शनी के सेल्फी पाइंट में सेल्फी ली।

शिवाजी प्रतिमा गिरने पर मोदी बोले- मैं माफी मांगता हूं

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को महाराष्ट्र के दौरे पर हैं। पालघर के सिडको ग्राउंड में 76 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा गिरने के मामले पर माफी मांगी। सिंधुदुर्ग में लगाई गई यह प्रतिमा 26 अगस्त को गिरकर टूट गई थी। मोदी ने कहा- छत्रपति शिवाजी महाराज मेरे और मेरे दोस्तों के लिए सिर्फ एक नाम नहीं हैं। हमारे लिए छत्रपति शिवाजी महाराज सिर्फ एक महाराजा नहीं हैं। हमारे लिए वे पूजनीय हैं। आज मैं छत्रपति शिवाजी महाराज के सामने नतमस्तक हूं और उनसे क्षमा मांगता हूं। मोदी से पहले महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार भी माफी मांग चुके हैं। सीएम के कार्यक्रम से पहले मुंबई में मूर्ति गिरने को लेकर विपक्ष के नेताओं ने विरोध-प्रदर्शन किया। पुलिस ने कांग्रेस नेताओं को नजरबंद भी किया है। उधर, कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर लिखा- महाराष्ट्र की जनता और विपक्ष

के घोर विरोध ने आज नरेंद्र मोदी को छत्रपति शिवाजी महाराज से माफी मांगने पर मजबूर कर दिया। लेकिन ये माफी नहीं ढोंग है। अगर मोदी वाकई में अपने इस अक्षम्य पाप के लिए माफी मांग रहे हैं, तो वे महाराष्ट्र के सीएम और डिप्टी सीएम को अपने पद से हटाएं। साथ ही इस प्रोजेक्ट में जिन लोगों की संलिप्तता थी, उनपर कड़ी कार्रवाई करें। राजे का ये अपमान महाराष्ट्र न भूलेगा, न माफ करेगा। पालघर में पीएम मोदी ने सिडको ग्राउंड में 76 हजार करोड़ के कई प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। इसमें वधावन पोर्ट प्रोजेक्ट भी शामिल है। मोदी ने उद्घाटन करने के बाद कहा- महाराष्ट्र का विकास मेरी बहुत बड़ी प्राथमिकता है। आज भारत की प्रगति में महाराष्ट्र बहुत बड़ी भूमिका निभा रहा है, लेकिन यह दुर्भाग्य है कि महाराष्ट्र विरोधी दलों ने आपके विकास पर हमेशा ब्रेक लगाने की कोशिश की। मोदी ने कहा- हमारे देश को वर्षों से दुनिया के साथ व्यापार के लिए एक बड़े और आधुनिक पोर्ट की जरूरत थी।

शरद गुट बोला-एनडीए को अजित की जरूरत नहीं

मुंबई। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता तानाजी सावंत ने कहा कि उनको नेशनल कांग्रेस पार्टी के नेताओं के पास बैठने पर उल्टी करने का मन होता है। सावंत के इस बयान पर एनसीपी (शरद पवार) ने प्रतिक्रिया दी है। एनसीपी के प्रवक्ता क्लाइड क्रैस्टो ने कहा- सावंत की टिप्पणी से पता चलता है कि महायुति (भाजपा, शिवसेना-शिंदे गुट, एनसीपी) को अब एनसीपी की जरूरत नहीं है। आरएसएस के मुखपत्र ने भाजपा से पूछा था कि उन्होंने अजित पवार के साथ गठबंधन क्यों किया। भाजपा कैडर भी यही सवाल पूछ रहा है। उन्होंने कहा कि एनसीपी के लिए एनसीपी को महायुति से बाहर करने का समय आ गया है। अजित पवार के लिए अब जागने और हालात को समझने का समय आ गया है। भाजपा धीरे-धीरे अजित पवार को महायुति से बाहर निकाल देगी। सब कुछ ठीक नहीं है और दरारें दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। एनसीपी (एसपी) के दूसरे प्रवक्ता महेश तपासे ने कहा कि अजित पवार ने अपना आत्म-सम्मान खो दिया है। एनसीपी (अजित) के साथ गठबंधन से शिवसेना (शिंदे) में असंतोष बढ़ रहा है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि अजित दादा जो कभी एनसीपी में अपार सम्मान रखते थे, सत्ता के लिए अपने आत्म-सम्मान से समझौता करेंगे। तपासे ने कहा कि अजित पवार को

सरकार में शामिल किए जाने को लेकर शिंदे सेना के सदस्यों में बढ़ती बेचैनी अब सावंत की टिप्पणियों से स्पष्ट रूप से सामने आ गई है। तपासे ने कहा कि मंत्री तानाजी सावंत के बयान ने अजित दादा की राजनीतिक स्थिति को प्रभावी रूप से मिटा दिया है और फिर भी उनकी अपनी पार्टी के सदस्य चुप हैं। तपासे ने आगे दावा किया कि मौजूदा हालात को देखते हुए एनसीपी को महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनावों में 25 सीटें भी नहीं मिल सकती हैं। इसी हताशा के कारण ऐसा अपमानजनक व्यवहार किया गया है। तानाजी के बयान पर एनसीपी (अजित) के प्रवक्ता उमेश पाटिल ने तानाजी सावंत के बर्खास्त किए जाने की मांग की है।

मणिपुर के सीएम को बंगाल की स्थिति पर बोलने का कोई अधिकार नहीं, सागरिका घोष का बीरेन सिंह पर पलटवार

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस की नेता सागरिका घोष ने कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में एक डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के खिलाफ प्रदर्शनों से निपटने के पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के तरीके पर मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह की टिप्पणियों को लेकर उनकी आलोचना की। घोष ने कहा कि मणिपुर की स्थिति के मद्देनजर पश्चिम बंगाल पर टिप्पणी करने का उन्हें कोई ''नैतिक अधिकार नहीं है। मणिपुर के मुख्यमंत्री ने एक साक्षात्कार में डॉक्टर के साथ बलात्कार और उसकी हत्या तथा उसके बाद विरोध प्रदर्शनों की स्थिति से निपटने को लेकर पश्चिम बंगाल की अपने समकक्ष पर कटाक्ष किया है। घोष ने मणिपुर की स्थिति की ओर इशारा करते हुए दावा किया कि हजारों लोग राहत

शिविरों में लगातार परेशानियों का सामना कर रहे हैं। घोष ने कहा, ''मणिपुर के मुख्यमंत्री के विपरीत, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बलात्कार और हत्या के संबंधित मामले में 'न्याय को हमेशा सबसे ऊपर रखा है। उन्होंने कहा, ''कोलकाता पुलिस ने इस मामले को 24 घंटे में सुलझा लिया। इसकी तुलना मणिपुर से करें जहां 18 महीने बाद भी हजारों लोग राहत शिविरों में पीड़ा का सामना कर रहे हैं। जातीय हिंसा में 220 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और पुलिस ने महीनों तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की। घोष ने कहा, ''मणिपुर के मुख्यमंत्री को बंगाल पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है और वह भी तब जब वह अपने लोगों को आशा और राहत प्रदान करने में पिछले 18 महीनों में पूरी तरह से विफल रहे हैं। हम महिला सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। लेकिन भाजपा बलात्कार को लेकर सिर्फ हिंसक राजनीति करना चाहती है। साक्षात्कार में मणिपुर के मुख्यमंत्री ने बनर्जी की आलोचना करते हुए कहा था, ''एक मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने (ममता बनर्जी) जो रवैया दिखाया... शुरू में मामले का हर किसी पर असर नहीं पड़ा। एक अस्पताल के अंदर एक डॉक्टर के साथ जो हुआ...यह एक जघन्य अपराध है।

मणिपुर सीएम बोले- मैं इस्तीफा क्यों दूं, घोटाला नहीं किया

दिल्ली/इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने अगले छह महीने में राज्य में शांति बहाल करने का दावा किया है। उन्होंने ष्टरूपद से इस्तीफे की आशंका को लेकर कहा, %इसका कोई सवाल ही नहीं उठता है। मैं इस्तीफा क्यों दूं? क्या मैंने कुछ चुराया है? कोई घोटाला किया है? बीरेन सिंह ने गुरुवार (29 अगस्त) एक इंटरव्यू में ये बातें कहीं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मणिपुर नहीं जाने के सवाल पर कहा कि तनाव के बीच उनका आना जरूरी नहीं था। सीएम संसद में दो बार हिंसा पर अपनी बात रख चुके हैं। सीएम ने मणिपुर लोकसभा की दोनों सीटें गंवाने, भाजपा की लोकप्रियता में कमी, ड्रग्स और अवैध प्रवासियों के खिलाफ सरकार के प्रयासों सहित कई मुद्दों पर

बात की। उन्होंने कहा कि कुकी और मैतेई के बीच सुलह के लिए उन्होंने डेलीगेट नियुक्त किया है।

सीएम बीरेन सिंह~ नहीं, भाजपा की लोकप्रियता कम नहीं हुई है। मेरी लोकप्रियता कम हुई है। इसके पीछे लोगों की भावनाएं हैं। जैसे मुख्यमंत्री होने के बावजूद बीरेन सिंह हिंसा का जवाब नहीं दे रहे हैं। मैं मानता हूं कि जवाबी कार्रवाई से काम नहीं चलेगा। बातचीत से समाधान निकलेगा। आप %हर घर तिरंगा% अभियान की तस्वीरें, वीडियो देख सकते हैं। पूरे पूर्वोत्तर मणिपुर में यह अभियान सबसे अच्छा रहा। मैं यह गर्व से कह सकता हूं। विपक्ष ने लोगों को गुमराह करके, मुझे, पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह को गाली देकर लोकसभा की दो सीटें जीती हैं।

सरद पवार सुरक्षा जे प्लस लेने से किया इनकार

नई दिल्ली: राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार जिनकी सुरक्षा के दायरे को हाल ही में बढ़ाकर जे-प्लस किया गया था, को लेकर माना जा रहा है कि उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों द्वारा सुझाए गए कुछ उपायों को मानने से इनकार कर दिया है। केंद्रीय एजेंसियों द्वारा की गई सुरक्षा समीक्षा के बाद पवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की जेड-प्लस सुरक्षा दी गई थी। हालांकि, माना जा रहा है कि पवार ने यह कहा है कि उन्हें यह नहीं बताया गया कि उनकी सुरक्षा क्यों बढ़ाई जा रही है? पता चला है कि महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में अपने घर के अंदर अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों को तैनात करने, राजधानी में आने-जाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले वाहन को बदलने और उनके वाहन के अंदर दो सुरक्षाकर्मियों को तैनात करने के प्रस्तावों को ठकुरा दिया है। सुरक्षा उपायों के तहत पवार के दिल्ली स्थित आवास की चारदीवारी की ऊंचाई भी बढ़ाई जानी थी। सूत्रों के मुताबिक, शरद पवार ने कहा है कि वह पहले यह जांच करेंगे कि उनके खिलाफ किस प्रकार का थ्रेट परसेप्शन है, और उसके बाद ही वह सुरक्षा लेने पर विचार करेंगे। उन्होंने इस संबंध में गृह मंत्रालय के कुछ अधिकारियों से जानकारी भी मांगी है।

तेलंगाना सीएम की सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बीआरएस नेता के. कविता को जमानत पर दिए बयान के लिए सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी है। रेवंत ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि मेरे बयान को लेकर जो खबरें छापी गई, उनमें कमेंट का गलत अर्थ निकाला गया। रेवंत ने लिखा- 29 अगस्त की कुछ खबरों में मेरे नाम से कमेंट किए गए, जिससे यह माना गया कि मैं माननीय न्यायालय के विवेक पर सवाल उठा रहा हूं। मैं उन खबरों में दिए बयानों के लिए बिना शर्त खेद व्यक्त करता हूं। मैं न्यायपालिका का सम्मान करता था और करता रहूंगा 29 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में कैश फॉर वोट केस की सुनवाई के दौरान जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने रेवंत के बयान पर नाराजगी जताई थी।

केंद्रीय वित्त मंत्रालय का बड़ा कदम, समलैंगिक जोड़े बिना किसी प्रतिबंध के खोल सकते हैं संयुक्त बैंक खाता

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि भारत में समलैंगिक जोड़े अब बिना किसी प्रतिबंध के संयुक्त बैंक खाता खोल सकते हैं। यह निर्णय 28 अगस्त को जारी की गई एक अधिसूचना के माध्यम से लिया गया है और यह सर्वोच्च न्यायालय के विवाह समानता से संबंधित फैसले के जवाब में आया है। वित्तीय सेवा विभाग की अधिसूचना में कहा गया है कि सुप्रियो ए सुप्रिया चक्रवर्ती और अन्य बनाम भारत संघ के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के 17 अक्टूबर 2023 के फैसले के अनुसारज समलैंगिक समुदाय के व्यक्तियों के लिए संयुक्त बैंक खाता

खोलने और खाताधारक की मृत्यु की स्थिति में शेष राशि प्राप्त करने के लिए समलैंगिक संबंध में किसी व्यक्ति को नामित करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। अक्टूबर 2023 में सर्वोच्च न्यायालय ने भारत में व्यक्तियों के अधिकारों पर फैसला सुनाया था। इसमें विवाहित जोड़ों को मिलने वाले लाभों तक उनकी पहुँच का मुद्दा शामिल था। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि व्यक्तियों को भेदभाव का सामना करना पड़ता है, जैसे कि संपत्ति का संयुक्त स्वामित्व, उत्तराधिकार के अधिकार, आयकर लाभ और गंभीर रूप से बीमार भागीदारों के लिए चिकित्सा निर्णय लेने की क्षमता से वंचित होना। सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि विवाह का कोई मौलिक अधिकार नहीं है और बहुमत ने माना कि लोगों को नागरिक संघ बनाने का अधिकार नहीं है। हालांकि, अदालत ने सरकार को निर्देश दिया कि समलैंगिक समुदाय को विभिन्न लाभों तक पहुँच सुनिश्चित करने के तरीके खोजे जाएं। इसके बाद केंद्र ने समलैंगिक जोड़ों के लिए लाभ बढ़ाने के लिए एक समिति का गठन किया।

बस 3 जातियां हैं: जाति जनगणना पर बोलीं कंगना रनौत, कांग्रेस ने बीजेपी सांसद पर कसा तंज

नई दिल्ली। अभिनेता से नेता बनीं कंगना रनौत के भारत में जाति जनगणना के सार्वजनिक विरोध के बाद, कांग्रेस पार्टी ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के मंडी से लोकसभा सांसद ऊंची जाति से हैं और उन्हें पिछड़े समुदायों के लोगों की स्थितियों की समझ नहीं है। कंगना के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने एक्स पर लिखा, आज बीजेपी सांसद कंगना ने फिर कहा, जाति जनगणना बिल्कुल नहीं होनी चाहिए. वहाँ एक क्यों होना चाहिए? जाति का निर्धारण क्यों करें? मेरे आसपास जाति जैसी कोई चीज़ नहीं है। मैडम, आप ऊंची जाति की हैं, अमीर हैं,

स्टार हैं और सांसद हैं। आप किसी दलित, पिछड़े, आदिवासी या गरीब सामान्य जाति के व्यक्ति की स्थिति कैसे जानेंगे? और अब, मोदी जी, अपनी चुप्पी तोड़ें। हमें नहीं तो कम से कम अपने सहयोगी जेडीयू और एलजेपी के चिराग पासवान को अपना रुख बताएं। एक इंटरव्यू में कंगना रनौत से जाति जनगणना पर उनके रुख के बारे में पूछा गया. उन्होंने जवाब दिया, मेरी स्थिति वही है जो योगी आदित्यनाथ की है. साथ रहेंगे नेक रहेंगे, बटेंगे कटेंगे (आइए साथ रहें, अच्छे बने रहें। अगर हम विभाजित हो गए, तो हम नष्ट हो जाएंगे) उन्होंने कहा, कोई जाति जनगणना नहीं होनी चाहिए।

हम अभिनेताओं की जाति तक नहीं जानते। किसी को कुछ नहीं पता. मेरे आसपास के लोग जाति की परवाह नहीं करते। अब इसका निर्धारण क्यों करें? हमने पहले ऐसा नहीं किया, तो अब ऐसा क्यों करें?

सेंसेस 300 अंक से ज्यादा उछला निटी 25,200 के पार

शेयर बाजार रही बढ़त

मुंबई (ईएमएस)। गिफ्ट निफ्टी फ्यूचर्स से मिल रहे रुझानों और वैश्विक बाजारों में उछाल की वजह से घरेलू शेयर बाजार ने शुक्रवार के कारोबारी दिन तेजी के साथ शुरुआत की। बीएसई सेंसेक्स 324.46 अंक की बढ़त के साथ 82,459.07 पर खुला, जबकि निफ्टी 50, 89.30 अंक की बढ़त के साथ 25,241.25 पर खुला। अमेरिका में मजबूत जीडीपी आंकड़े जारी होने के बाद मंदी की आशंकाओं के कारण घबराए हुए निवेशकों ने राहत की सांस ली है। घरेलू बाजार में निवेशकों की नजर देश के जीडीपी और इंफ्रास्ट्रक्चर आउटपुट डेटा पर होगी, जो शुक्रवार को दोपहर बाद जारी किए जा सकते है। वहीं पिछले कारोबारी सत्र गुरुवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा मोटर्स में तेजी के दम पर भारतीय शेयर बाजार नया रिकॉर्ड दर्ज करते हुए बंद हुआ। 50 शेयरों वाला निफ्टी लगातार दूसरे दिन रिकॉर्ड हाई दर्ज किया तो वहीं 30 शेयरों वाला बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स भी नया रिकॉर्ड कायम कर दिया। सेंसेक्स 349.05 अंक उछलकर 82,134.61 के लेवल पर और एनएसई निफ्टी 99.60 अंक की बढ़त के साथ

25,151.95 अंक पर बंद हुआ था। वहीं एआई पावर हाउस एनवीडिया के नतीजों पर निवेशकों की निराशा को दूर करते हुए वैश्विक शेयरों में गुरुवार को तेजी रही। अमेरिका में डॉव एक ताजा रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब पहुंच गया और एसएंडपी 500 अपने जुलाई के रिकॉर्ड बंद स्तर से थोड़ा नीचे बंद हुआ, जबकि नैस्डैक गिर गया। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.59 प्रतिशत बढ़कर 41,335.05 पर पहुंच गया, एसएंडपी 500 5,591.96 पर स्थिर रहा, और नैस्डैक कंपोजिट 0.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,516.43 पर बंद हुआ। यूरोपीय शेयरों में भी 0.76 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो टेक्नोलॉजी शेयरों द्वारा संचालित एक नए रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर पहुंच गए।

एमएससीआई का वैश्विक स्तर पर शेयरों का गेज 0.04 प्रतिशत बढ़कर 827.62 पर पहुंच गया। अमेरिका के आर्थिक आंकड़ों से मंदी की आशंका के कमजोर होने के बाद शुक्रवार को एशिया-प्रशांत बाजारों में तेजी आई, जबकि निवेशकों ने जापान के कई आंकड़ों का भी आकलन किया। जापान का निक्की 225 मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था, जबकि टॉपिक्स डेटा जारी होने के बाद 0.23 प्रतिशत ऊपर था।

दक्षिण कोरिया का कोस्पी शुरुआती ट्रेड में 0.55 प्रतिशत बढ़ा, जबकि स्मॉलकैप कोस्डाक 0.74 प्रतिशत बढ़त पर था। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.46 प्रतिशत चढ़ा, जबकि हांगकांग हैंग सेंग इंडेक्स फ्यूचर्स 17,741 पर थे, जो एचएसआई के पिछले बंद स्तर 17,786.32 से कम था।

सोने के भाव 72 हजार से नीचे लुढ़के, चांदी भी हुई सस्ती

देश के सराफा बाजारों में सोने-चांदी के वायदा भाव में शुक्रवार को नरमी देखने को मिल रही है। सोने के भाव 72 हजार से नीचे गिर गया है तो चांदी में भी गिरावट देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव शुक्रवार को गिरावट के साथ खुले। इस समय सोने के वायदा भाव 71,900 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 84,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में गिरावट देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 288 रुपये की गिरावट के साथ 71,900 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 279 रुपये की गिरावट के साथ 71,909 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही।

संक्षिप्त समाचार

ओली के भविष्य में भी कप्तान बनने की उमीद

लंदन। ऑलराउंडर बेन स्टोक्स के चोटिल होने के बाद से ही ओली पोप ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान की जिम्मेदारी अच्छी तरह से संभालते हुए अपनी टीम को श्रीलंका के खिलाफ 1-0 से बढ़त दिलायी है। इस सीरीज में जिस प्रकार से ओली ने अपनी नेतृत्व क्षमता दिखायी है। उससे तय है कि वह भविष्य में भी टीम की कप्तानी करेंगे। पोप को पहले टेस्ट के दौरान पूर्व कप्तान जो रूट से मार्गदर्शन लेते देखा गया है। बल्लेबाजी में हालांकि वह अभी तक सफल नहीं हुए हैं और नंबर-3 पर उतरते हुए दो बार छह रन पर आउट हो गए। इसके बावजूद उन्हें लगता है कि वह वापसी करेंगे। जो रूट उन्हें कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों के दबाव का सामना करना सिखा रहे हैं। रूट ने 2017-2022 तक रिकॉर्ड 64 टेस्ट में इंग्लैंड का नेतृत्व किया। इसके अलावा इस बल्लेबाज ने अपने कार्यकाल के दौरान 14 शतक बनाए, जिसे शानदार रिकॉर्ड कहा जा सकता है। इसी को देखते हुए ओली बेहतर बल्लेबाज बनने रूट से सलाह दे रहे हैं। इस क्रिकेटर ने कहा, मैंने इस सप्ताह का भरपूर आनंद लिया। रन मेरे लिए बहुत नहीं आए, लेकिन उम्मीद है कि अगले दो सप्ताह में जब बल्लेबाजी का समय आएगा तो मैं कप्तानी को अलग रख पाऊंगा और अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित कर पाऊंगा। इस बारे में मैंने जो रूट से बात की है। मैदान में खेलना ज्यादा थका देने वाला होता है, लेकिन इसे मैनेज करने के लिए जीवनशैली में थोड़ा बहुत बदलाव करने की जरूरत है।

शान मसूद से झगड़े के बाद प्लेइंग इलेवन से बाहर हुए शाहीन अफरीदी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट

टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए अपने संभावित 12 खिलाड़ियों की घोषणा कर दी है, इसमें शाहीन अफरीदी को शामिल नहीं किया गया है। गुरुवार, 29 अगस्त को ये घोषणा की गई। कलाई के स्पिनर अबरार अहमद और मीर हमजा को टीम में शामिल किया गया है। पहले टेस्ट में शाहीन अफरीदी का प्रदर्शन निराशाजनक रहा उन्होंने 30 ओवर में 88 रन देकर 2 विकेट झटके थे। पाकिस्तान ने उस मैच में चार गेंदबाजी के साथ तेज गेंदबाजी का विकल्प चुना था, जिसमें नसीम शाह, शाहीन अफरीदी, खुर्रम शहजाद और मोहम्मद अली शामिल थे। इस रणनीति के कारण उन्हें पार्ट टाइम स्पिनर आगा सलमान, सैम अयूब और सऊद शकील पर निर्भर रहना पड़ा। बता दें कि, अटकलें लगाई जा रही हैं कि शाहीन अफरीदी और कप्तान शान मसूद के बीच हुई हाथापाई उनके बाहर होने का कारण हो सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पहले टेस्ट में पाकिस्तन की हार के बाद ड्रेसिंग रूम में तनाव बढ़ गया था।

राहुल नीलामी में उतरेंगे तो उन्हें खरीद सकती हैं ये तीन टीमें

मुम्बई। आईपीएल के अगले सत्र में केएल राहुल के लखनऊ सुपर जायंट्स को छोड़कर किसी अन्य टीम में जाने की संभावनाएं जतायी जा रही हैं। इसका कारण है कि पहले दो सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स उनकी कप्तानी में प्लेऑफ में पहुंची पर साल 2024 में उनकी कप्तानी में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। ऐसे में माना जा रहा है कि उन्हें शायद ही टीम में बरकरार रखा जाये। ऐसे में अगर उन्हें रिलीज किया जाता है तो राहुल को कई टीम शामिल करने को तैयार रहेंगी। ये टीमें हैं पंजाब किंग्स, आरसीबी और गुजरात टाइटंस।

पंजाब किंग्स

आईपीएल 2025 मेगा नीलामी में राहुल को खरीदने के लिए पंजाब किंग्स भी उत्साहित रहेगी। इसका कारण है कि कप्तान शिखर धवन ने संन्यास ले लिया है और टीम को एक बेहतर बल्लेबाज की जरुरत है। ऐसे में पंजाब किंग्स की टीम अपने पुराने कप्तान केएल राहुल को फिर से टीम शामिल करना चाहेगी, इससे उसकी कप्तानी की समस्या भी दूर हो जाएंगी।

आरसीबी

आरसीबी की टीम आईपीएल 2025 मेगा नीलामी में राहुल को खरीदने मोटी रकम लगा सकती है। इसकी वजह ये है कि आरसीबी के पास विराट कोहली के अलावा दूसरा बड़ा भारतीय बल्लेबाज नहीं है। राहुल के टीम में आने से आरसीबी को मजबूती मिलेगी। दिनेश कार्तिक के संन्यास के बाद विकेटकीपिंग के रूप में राहुल बेहतर विकल्प होंगे और इस वजह से उन्हें खरीदने में आरसीबी की टीम दिलचस्पी दिखा सकती है।

गुजरात टाइटंस

गुजरात टाइटंस भी हार्दिक पांड्या के मुम्बई इंडियंस जाने के बाद आईपीएल 2024 में किसी अच्छे बल्लेबाज की तलाश कर रही है। शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटंस कुछ खास नहीं कर पाई। शुभमन की बल्लेबाजी अच्छी रही पर कप्तानी में वह फ्लॉप रहे। ऐसे में टीम शुभमन की जगह किसी अनुभवी को कप्तानी देना चाहेगी और इसके लिए रोहुल एक बेहतर विकल्प होंगे। ।

भारत की घरेलू प्रणाली से सीखे पीसीबी : बासित अली

लाहौर। पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर बासित अली ने कहा है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को भारत की घरेलू प्रणाली से सीखना होगा। बांग्लादेश के खिलाफ टीम की करारी हार के बाद उसके क्रिकेट ढ़ांचे पर ही सवाल उठ रहे हैं। इसके बाद से ही पीसीबी प्रमुख ने भी माना है कि टीम को बेहतर बनाने के लिए बदलाव करने होंगे। इसी को देखते हुए अब बासित ने कहा, टेस्ट सीरीज के बाद चैंपियंस कप नामक एक वन-डे टूर्नामेंट होगा। इस टूर्नामेंट का आयोजन कर पीसीबी इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की तर्ज पर कर रहा है जबकि उसे अपने पड़ौसी देश भारत की क्रिकेट प्रणाली को देखकर टूर्नामेंट आयोजित किये जाने चाहिये। जिससे कि उसके पास भी खिलाड़ियों का बड़ा पूल बन सके। उन्होंने कहा कि दलीप ट्रॉफी जैसे घरेलू टूर्नामेंटों से भारत का क्रिकेट ढ़ांचा मजबूत होता है। इसी से उन्हें नये खिलाड़ी मिलते हैं। पूर्व पाक क्रिकेटर ने कहा, दलीप ट्रॉफी शुरू होने वाली है पर ये टी20 या वन-डे टूर्नामेंट नहीं बल्कि चार दिवसीय टूर्नामेंट है। इसी कारण भारतीय टीम इतनी बेहतर है क्योंकि उन्होंने अपने आधार को मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित किया, यही वजह है कि वे इतने सफल हैं। वहीं पहले टेस्ट में स्पिनर नहीं रखने की गलती से सबक लेते हुए पाक ने दूसरे टेस्ट के लिए कलाई के स्पिनर अबरार अहमद और ऑलराउंडर आमिर जमाल को टीम में वापस लाया है। पाक दूसरे टेस्ट में जीत के साथ ही सीरीज में वापसी करना चाहेगी।

तेज गेंदबाज बरिंदर सरन ने संन्यास लिया

मुम्बई। पिछले आठ साल से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज बरिंदर सरन ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। बरिंदर ने अपने करियर में 6 एकदिवसीय और 2 टी20 अंतराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इस गेंदबाज ने सोशल मीडिया पर अपने संन्यास के फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि यह संन्सास लेने का सही समय है। बरिंदर ने साल 2015-16 में पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने के के बाद अंतिम बार साल 2016 में भारत के लिए जिम्बाब्वे दौरे पर दो टी20 अंतराष्ट्रीय मुकाबले खेले थे। बरिंदर ने लिखा, मैं आधिकारिक तौर पर क्रिकेट से संन्यास ले रहा हूं। मैं अपने क्रिकेट सफर से संतुष्ट हूं। इस खेल ने मुझे काफी अच्छे अनुभव दिए। तेज गेंदबाजी मेरे लिए भाग्यशाली बन गई। इससे मुझे आईपीएल में भी अवसर मिले।इसी कारण मुझे भारतीय टीम में भी जगह मिली।' साथ ही कहा कि मेरा अंतरराष्ट्रीय करियर छोटा था पर इसकी यादे हमेशा ही मेरे दिल में रहेंगी। मैं हमेशा भगवान का आभारी रहूंगा कि उन्होंने मुझे सही कोच और प्रबंधन दिया जिससे मेरा सफर अच्छा रहा। बरिंदर ने छह वनडे इंटरनेशनल मैचों में सात विकेट जबकि दो टी20 अंतरराष्ट्रीय में छह विकेट लिए हैं। बरिंदर ने आईपीएल में मुंबई इंडियन्स, किंग्स इलेवन पंजाब, राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेला है। साल 2015 से 2019 के बीच इस गेंदबाज ने 24 मैच में 18 विकेट लिए।. उन्होंने अपना आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच 2020-21 विजय हजारे ट्रॉफी में पंजाब की ओर से मध्य प्रदेश के खिलाफ खेला था।

करुण नायर को है भारतीय टीम में वापसी की उम्मीदें

काऊंटी क्रिकेट से सीखने को मिला

बेंगलुरु। क्रिकेट करियर की शुरुआत में तिहरा शतक लगाने के बाद भी बल्लेबाज करुण नायर भारतीय टीम में जगह नहीं बना पाये। इसके बाद से ही वह घरेलू क्रिकेट के अलावा काउंटी क्रिकेट में भी समय-समय पर अपने प्रदर्शन से प्रभावित करते रहे हैं। करुण ने विदर्भ और इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में नॉर्थम्पटनशर की तरफ से अच्छी पारियां खेली हैं। इससे उन्हें एक बार फिर भारतीय टीम में वापसी की उम्मीदें हैं। वर्तमान में नायर केएससीए महाराजा टी20 में मैसूर वारियर्स खेल रहे हैं। टीम के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने के बाद उनका लक्ष्य खिताबी जीत के साथ सीजन की इस सकारात्मक शुरुआत को पूरा करना है। उन्होंने अंत में कहा, हमने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करके पहला कदम पार कर लिया है, और हमें उम्मीद है कि हम आगे बढ़ेंगे। इस क्रिकेटर ने कहा कि आपको कड़ी मेहनत करने के लिए हमेशा तैयार रहना होगा। इस बल्लेबाज ने कहा कि मैंने पिछले एक साल में सभी प्रारूपों में काफी रन बनाए हैं। मैं हर मौके पर वही करने की कोशिश कर रहा हूं जो मैं पिछले एक साल से करता आ रहा हूं। मैं हर अवसर का उपयोग करता रहा हूं।

करुण ने साल 2023 की शुरुआत में नॉर्थम्पटनशर की ओर से खेलते हुए तीन मैचों में 83 की औसत से 249 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने सरे के खिलाफ भी एक शतक लगाया था। इस साल उन्होंने काउंटी क्रिकेट के 7 मैचों में 49 के औसत से 487 रन बनाए हैं। इस बल्लेबाज का कहना है कि भारतीय बल्लेबाजों के लिए इंग्लैंड में जाकर रन बनाना आसान नहीं होता है। साथ ही कहा कि काउंटी क्रिकेट से मुझे काफी कुछ सीखने को मिला है।

जो रूट ने फिर जड़ा शतक, फैब-4 की रेस में सबसे आगे

लंदन। श्रीलंका के खिलाफ लार्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में भी इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज जो रूट ने शतक जड़ दिया। 33 साल के जो शतक है। वहीं पिछले चार सालों में रूट का ये 16वा शतक है। इसके साथ ही जो रूट अब फैब-4 में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में जो रूट ने 206 गेंद में 143 रनों की पारी खेली। इस दौरान रूट के बल्ले से 18 चौके निकले। 50 के अंदर दो और 100 के भीतर तीन विकेट गिरने के बाद रूट एक छोर पर चट्टान बन गए।

पेरिस पैरालंपिक खेलों में भारत की शीतल ने बनाया नया विश्व रिकार्ड

पेरिस। भारत की 16 साल की तीरंदाज शीतल देवी ने पेरिस पैरालंपिक में एक नया रिकार्ड बनाया है। शीतल ने तीरंदाजी के क्वालिफिकेशन राउंड में 703 अंक हासिल किये। ये इन खेलों में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। शीतल ने पहले दौर में 59, 59, 58, 56, 59, 57 का स्कोर किया जबकि दूसरे में उन्होंने 60, 57, 60, 59, 60, 59 का स्कोर किया। अब शीतल का लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना रहेगा। शीतल ने महिला व्यक्तिगत कंपाउंड आर्चरी के क्वालीफिकेशन में 720 में से 703 अंक हासिल किये। इसके साथ ही वह 698 अंक के अपने ??पिछले विश्व रिकॉर्ड से आगे निकल गयी हैं। शीतल ओवरऑल रैंकिंग राउंड में दूसरे स्थान पर रहीं। उन्हें अगले दौर में बाई मिली है और अब वह 31 अगस्त को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उतरेंगी। इस इवेंट में भारत की सरिता ने 682 का स्कोर किया और उसे 9 वां स्थान मिला। भारत ने पेरिस पैरालंपिक में 84 खिलाड़ियों का सबसे बड़ा दल भेजा है। शीतल के अलावा बैडमिंटन में 8 भारतीय खिलाड़ी जीते हैं। निशानेबाज सुहास यथिराज (एसएल4), सुकांत कदम (एसएल4), तरुण (एसएल4), नितेश कुमार (एसएल 3), पलक कोहली (एसएल 4), तुलसीमति मुरूगेसन (एसयू 5), मनीषा रामदास (एसयू 5) और नित्या श्री सुमति सिवान (एसएच 6) ने पहले दौर के अपने-अपने मैच जीत लिए हैं।

प्रतिष्ठित एशेज क्रिकेट सीरीज राख से शुरु हुई

लंदन। ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के बीच होने वाली प्रतिष्ठित एशेज क्रिकेट सीरीज का इतिहास बेहद पुराना है। एशेज मतलब राख ओर ये सीरीज इसी आधार पर बनी है। 142 साल पहले लंदन के द ओवल में हुए मैच में इंग्लैंड की टीम 85 रन का जीत का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पायी और 77 रन पर ही आउट हो गयी। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड की धरती पर पहली जीत दर्ज की। इसपर इंग्लैंड के प्रशंसकों ने टीम को खरी खोटी सुनाई। वहीं ब्रिटेन के के अखबारों ने लिखा कि इंग्लिश क्रिकेट की मौत हो गई है जिसका अंतिम संस्कार किया जाएगा और राख ऑस्ट्रेलिया ले जाई जाएगी। इसी से क्रिकेट की सबसे पुरानी एशेज सीरीज का जन्म हुआ। चार महीने बाद जब इंग्लिश टीम ऑस्ट्रेलिया रवाना हुई तो इंग्लैंड के कप्तान इवो ब्लीग ने कहा, 'अगस्त में ऑस्ट्रेलिया ले जाई गई राख को हम वापस लेने जा रहे हैं।' यहीं से ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज को द एशेज कहा जाने लगा। इंग्लैंड की क्रिकेट टीम दिसंबर 1882 में ऑस्ट्रेलिया गई और द एशेज को जीतकर वापस लायी। ब्लीग को जीत के बाद मेलबर्न में एक छोटा कलश भेंट किया गया, जिसमें राख थी। इसे इंग्लैंड के प्रशंसकों ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की राख करार दिया। ये भी कहा जाता है कि मेलबर्न टेस्ट की हार के बाद कुछ महिलाओं ने लकड़ी की बेल्स जलाकर उसकी राख ट्रॉफी के अंदर रख दी थी। द एशेज दुनिया की सबसे छोटी ट्रॉफी मानी जाती है। इसकी मूल ट्रॉफी लंदन के ओवल मैदान के एमसीसी संग्रहालय में रखी गई है।

नोकिया और तमिलनाडु सरकार के बीच समझौता

चेन्नई में बनेगा 10जी-100जी नेटवर्क टेस्टबेड

नई दिल्ली। नोकिया और तमिलनाडु सरकार के बीच शुक्रवार को चेन्नई में विश्व का सबसे बड़ा फिक्स्ड नेटवर्क टेस्टबेड स्थापित करने का समझौता किया जाएगा। यह टेस्टबेड अल्ट्रा-हाई-स्पीड इंटरनेट एक्सेस और तेज बैंडविड्थ के क्षेत्र में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देगा। शुक्रवार (30 अगस्त 2024) की सुबह, मल्टीनेशनल टेलीकॉम कंपनी नोकिया एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार है, जिसके तहत चेन्नई में विश्व का सबसे बड़ा फिक्स्ड नेटवर्क टेस्टबेड स्थापित किया जाएगा। यह टेस्टबेड नोकिया की 10 गीगाबिट, 25जी, 50जी, और 100जी पैसिव ऑप्टिकल नेटवर्क्स में तकनीकी नवाचारों का नेतृत्व करेगा।

करीब 450 करोड़ रुपए के निवेश से यह केंद्र स्थापित किया जाएगा और नोकिया की प्रमुख अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाओं में से एक बनेगा। यह फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस, मल्टी-ड्वेलिंग यूनिट सॉल्यूशंस, एक्सेस नेटवर्क्स और होम कंट्रोलर्स पर भी ध्यान केंद्रित करेगा।

नौकरियां और नीति समर्थन

नोकिया का यह केंद्र लगभग 100 विशेष नौकरियों का सृजन करेगा। तमिलनाडु सरकार नोकिया को आवश्यक बुनियादी ढांचा, नियामक और नीति समर्थन प्रदान करेगी, जिससे चेन्नई की वैश्विक तकनीकी महत्वता बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री का बयान

स्टालिन ने कहा कि उनकी सरकार के कार्यकाल के दौरान राज्य ने 9.99 लाख करोड़ रुपए के निवेश के साथ लगभग 872 निवेश सौदे देखे हैं, जिससे लगभग 18.9 लाख नौकरियां उत्पन्न हुई हैं।

खेत मे भरे पानी में डूबने से छात्र की मौत, शव लेकर स्कूल पहुंचे परिजन; पुलिस ने कार्रवाई का भरोसा दिया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना की बाबूपुर पुलिस चौकी अंतर्गत खेत में भरे पानी मे डूबने से एक स्कूली छात्र की मौत हो गई। उसकी मौत से नाराज परिजन और ग्रामीणों ने शव को स्कूल के पास ले जाकर हंगामा भी किया। जानकारी के मुताबिक, कोलगवां थाना की बाबू पुर पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम लिलौरी के सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले एक छात्र की खेत मे भरे पानी मे डूबने से मौत हो गई।

मृतक का नाम शिवेंद्र सिंह बताया जाता है। वह लिलौरी स्कूल में 7 वी कक्षा का छात्र था। बताया जाता है कि गुरूवार को शिवेंद्र स्कूल गया था। भोजनावकाश के समय आधी छुट्टी होने पर वह कुछ अन्य छात्रों के साथ मझियार के पास स्थित फुटौन्धा निवासी लवकेश सिंह के बांध (खेत) मे भरे पानी मे नहाने चला गया।

इसी दौरान वह डूब गया और डर कर उसके साथ गए बच्चे अपने घर भाग गए। शाम को भी जब वह घर नहीं लौटा तो परिजनो ने तलाश शुरू की। उन बच्चों से पता लगाया गया तो उन्होंने खेत के पानी मे डूबने की जानकारी दी। ग्रामीणों ने तलाश कर खेत से शव बाहर निकाला। आज यानी (शुक्रवार) को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन जब गांव पहुंचे तो ग्रामीणों के साथ वे उसे लेकर स्कूल आ गए। ग्रामीणों ने प्रिंसिपल को घेर लिया और इस बात नाराजगी जताने लगे कि जब लंच के बाद बच्चा वापस नहीं आया तो उसका पता शिक्षक ने क्यों नहीं लगाया। उसका बस्ता भी स्कूल में ही रखा था फिर भी क्यों नहीं स्कूल के जिम्मेदारों ने पता लगाया। हालात की जानकारी मिलने पर बाबूपुर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाइश दी। प्रिंसिपल से भी पूछताछ की गई। पुलिस ने इस मामले में जांच कर कार्यवाही का भरोसा दिलाया तब मामला शांत हुआ।

ग्राम बैहार में सीएससी द्वारा लगाया गया आधारकार्ड अपडेशन शिविर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा पीएम जनमन योजना में मैहर जिले के ग्राम बैहार ग्राम पंचायत सेमरा विकासखण्ड मैहर एवं ग्राम सेहरूआ नम्बर-2 ग्राम पंचायत सिलपरी विकासखण्ड अमरपाटन में चिन्हित बैगा (पीवीटीजी) ग्रामों में विशेष शिविर लगाये जाकर प्रधानमंत्री जनमन कार्यकम (जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान) अंतर्गत कियान्वयन की जा रही योजनाओं की जानकारी से पीवीटीजी समुदाय को जागरूक/अवगत कराने के लिए प्रचार-प्रसार के निर्देश दिये गये हैं।

प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान पी.एम. जनमन 2 के तहत शुरु वार को आधार कार्ड अपडेशन हेतु बैहार के ग्राम पंचायत सेमरा में कैम्प के आयोजन किया गया। इस दौरान आई.ई.सी. कैम्पेनिंग के तहत विशेष पिछड़ी बैगा जनजाति के लोगों को आधारकार्ड अपडेशन हेतु सी0एस0सी0 (कॉमन सर्विस सेंटर) एवं महिला बाल विकास विभाग द्वारा शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर एसडीएम मैहर विकास सिंह, जनपद सीईओ प्रतिपाल बागरी, जिला कार्यर म महिला एवं बाल विकास अधिकारी राजेंद्र बांगरे, नायब तहसीलदार सुनील द्विवेदी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रषिक्षण केन्द्रों की प्रवेष परीक्षा 2 से 6 सितंबर तक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा प्रदेश के महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्रों में प्रशिक्षण हेतु प्रवेश परीक्षा 2 सितंबर से 6 सितंबर तक सतना जिले के एक परीक्षा केन्द्र मां मीरा कान्वेंट हायर सेकेण्डरी स्कूल वैष्णो देवी मंदिर डाली बाबा डेलौरा सतना में आयोजित होगी। आनलाईन परीक्षा प्रथम पाली में प्रातः 9 बजे से 11 बजे तक एवं द्वितीय पाली में दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक आयोजित की जायेगी। परीक्षा के लिए रिपोर्टिंग का समय प्रथम पाली में 7 से 8 बजे और द्वितीय पाली में दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक नियत किया गया है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अनुराग वर्मा ने परीक्षाओं के सुचारू रूप से संचालन के लिए विभागीय अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी है। उन्होंने परीक्षा के लिए अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे को सहायक समन्वयक, एसडीएम नीरज खरे को प्रशासनिक आब्जर्वर, महेन्द्र सिंह चौहान सीएसपी को सुरक्षा समन्वयक तथा प्राध्यापक गेहचन्द पटेल और ई-दक्ष के सतीश पाण्डेय को आब्जर्वर बनाया है। कलेक्टर कार्यालय के कक्ष ₹ मांक एफ17 में कन्ट्रोल रूम बनाकर प्रातः 10 बजे से कर्मचारियों की डयूटी भी लगाई गई है।

विश्व आत्महत्या निशेध दिवस 10 को

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राज्य आनंद संस्थान द्वारा चयनित अंतर्राष्ट्रीय दिवसों का आयोजन प्रदेश स्तर पर किया जाता है। इसी कड़ी में पूरी दुनिया में बढ़ रही आत्महत्या की घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या निषेध दिवस मनाया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र संघ के आह्वान पर इस दिवस को मनाने का उद्देश्य आत्महत्या से जुड़ी मानसिक बीमारियों और आत्महत्या की रोकथाम के बारे में जागरुकता को बढ़ावा देना है। राज्य आनंद संस्थान के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आशीष कुमार गुप्ता ने बताया कि राज्य आनंद संस्थान अपने आनंदको, मास्टर टेऊनर्स, आनंदम सहयोगी, डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम लीडर एवं आनंद क्लब के माध्यम से प्रदेश में जागरुकता के कार्यक्र म किये जायेंगे। आत्महत्या निषेध दिवस के विभिन्न कार्यक्रमों में मानवीय मूल्यों पर बैठक संगोष्ठी, कॉलेज स्कूल के विद्यार्थियों के साथ चर्चा स्थानीय स्तर पर दौड़, साइकिल रेस का आयोजन, आत्महत्या की रोकथाम को प्रदर्शित करने वाले स्लोगन/पोस्टर प्रतियोगिता, अवसाद ग्रस्त लोगों की समस्याओं पर चर्चा, विषय आधारित नुक्कड़-नाटक एवं अन्य जागरूकता के कार्यक्रम किये जा सकते हैं।

4 लाख की आर्थिक सहायता स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।राजस्व विभाग के संशोधित प्रावधानानुसार राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रघुराजनगर (ग्रामीण) राहुल सिलाडिया द्वारा सर्पदंश से मृत्यु होने पर 4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। जारी आदेशानुसार निवासी ग्राम सगमा रजनीश चौधरी की पुत्री की सर्पदंश से मृत्यु होने पर 4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

वाक रेस खेल का आयोजन आज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।खेल और युवा कल्याण मंत्रालय एवं संचालनालय खेल और युवा कल्याण भोपाल के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय खेल दिवस 26 से 31 अगस्त 2024 तक खेल पखवाडा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि इस दौरान जिला मुख्यालय में विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें 31 अगस्त को प्रातः 7 बजे से प्रातः 10 बजे तक प्रियम्बदा बिडला उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में वॉक रेस का आयोजन किया जायेगा।

केन्द्रीय जेल सतना में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार एवं प्रधान एवं जिला सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव की उपस्थिति में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। विधिक साक्षरता शिविर के माध्यम से प्ली-बार्गेनिंग, मध्यस्थता, जमानत एवं अपील के प्रावधानों, नालसा-सालसा की विभिन्न योजनाओं से बंदियों को अवगत कराया गया साथ ही बंदियों की विधिक संबंधी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया गया। इस अवसर पर जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती पावस श्रीवास्तव, जेल अधीक्षक श्रीमती लीना कोष्टा, श्रीमती कामिनी प्रजापति, सुश्री शिक्षा रघुवंशी, जेल उप अधीक्षक श्रीकांत त्रिपाठी, कल्याण अधिकारी अनिरुद्ध कुमार तिवारी, सहायक जेल अधीक्षक सुश्री फिरोजा खातून, प्रमुख मुख्य प्रहरी बंदी प्रसाद शर्मा एवं जेल स्टॉफ व बंदीगणों की उपस्थिति रही।

अस्पताल में आक्सीजन की खपत देख उड़े होश, रात में प्लांट पहुंचे डीन व अधीक्षक

स्टॉक व खपत में अंतर, ठेकेदार को तलब

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संजय गांधी चिकित्सालय में इन दिनों आक्सीजन की लगातार मांग देख मेडिकल कॉलेज के डीन व अधीक्षक के होश उड़ गए हैं। ऐसे में गत रात को वह अचानक आक्सीजन प्लांट का निरीक्षण करने पहुंचे। जहां आक्सीजन ट्रक से प्लांट में अनलोड हो रही है लेकिन इस संबंध में स्टॉक रजिस्टर देख तो उसमें जानकारी सहीं नहीं भरी थी। इस पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यवक्त करते हुए ठेकेदार का तलब किया है।

बता दें कि इन दिनों प्रदेश में रीवा मेडिकल कॉलेज में सबसे अधिक आक्सीजन की खपत हो रही है। यह देख मेडिकल कॉलेज के प्रबंधन भी हैरान रह गए और रात में ही प्लांट का औंचक निरीक्षण करने पहुंचे गए है। इसके बाद वह पीछे गेट से गांधी मेमोरियल के लेवर रूम में पहुंचकर चिकित्सकों से चर्चा की। इस दौरान चिकित्सकों ने बताया कि आक्सीजन सिलेंडर खत्म पड़ा है। जानकारी देने के बाद भी सिलेंडर नहीं पहुंचा। इतना सुनते ही डीन व अधीक्षक सीधे आक्सीजन सिलेंडर सप्लाई कक्ष पहुंचे, जहां कर्मचारी दरवाजा बंद कर सो रहा था। उन्होंने कर्मचारी उठाया देखा तो अंदर पूरा कक्ष सिलेंडर से भरा था। इस पर उन्होंने मौजूद कर्मचारी को दौड़ाकर सिलेंडर लेबर रूम में पहुंचवाया। इस लापरवाही पर उन्होंने कर्मचारियों की जमकर फटकार लगाई।

महिला सुरक्षा कर्मचारियों ने कहा, शौचालय पड़े हैं गंदेः डीन के निरीक्षण दौरान महिला सुरक्षा कर्मचारियों ने कहा कि शौचालय गंदे पड़े है। उपयोग लायक नहीं है। इस पर डीन और अधीक्षक ने ठेकेदार को जमकर फटकार लगाई है। साथ ही 20 हजार रूपए का जुर्माना लगाया है।

घर में बंधक बनाकर डकैती, छह तोला सोना लेकर फरार आरोपी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के गुढ़ थानांतर्गत ग्राम खजुहा में घर के अंदर बंधक बनाकर आरोपी छह तोला सोना, एक तोला चांदी सहित चालीस हजार रूपए लूट कर फरार हो गए। इस घटना के बाद क्षेत्र के लोग भयभीत है। वहीं घटना के बाद पुलिस अभी तक आरोपियों का पता नहीं लगा पाई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि गत रात को कुछ बदमाश घर में चोरी करने के इरादे से सेंधमारी कर रहे थे। दीवाल में सेंध नहीं लगा पाने में असफल होने पर रामप्रकाश गुप्ता के घर में घुस गए। और उन्हें बंधक बना लिया। इसके बाद घर में लूट का तांडव मचा दिया है। घर के अंदर संदूक व आलमारी से उन्होंने लगभग छह तोला सोने के जेवर, एवं इतनी ही संख्या चांदी सहित चालीस हजार नकद रूपए लेकर फरार हो गए। इस घटना के बाद पीड़ित में गुढ़ थाने में पहुंचकर एफआईआर दर्ज कराई है लेकिन आरोपियों का पुलिस तलाशने में विफल रही है।

भारत निर्वाचन आयोग ने 10 अभ्यर्थियों को चुनाव लड़ने किया अयोग्य घोषित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार सतना और मैहर जिले के विधानसभा निर्वाचन 2018 में चुनाव लड़ने वाले 10 अभ्यर्थियों को व्यय लेखा प्रस्तुत नहीं किये जाने पर 28 मार्च 2022 से 28 मार्च 2025 तक 3 वर्ष के लिए विधानसभावार अयोग्य घोषित किया है। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन द्वारा जारी सूची में सतना जिले के 8 और मैहर जिले के 2 व्यक्तियों को चुनाव के लिये निरर्हित घोषित किया गया है। इनमें विधानसभा क्षेत्र 63 सतना अंतर्गत रामोराम गुप्ता केशरी भवन के पास सतना, राजेंद्र कुमार वर्मा मुख्त्यारगंज सतना, श्यामा अहिरवार (श्यामलाल साकेत) रीवा रोड सतना, शशांक सिंह सोनौरा पोस्ट बेलहटा सतना, विधानसभा क्षेत्र 64 नागौद अंतर्गत फूलन देवी बागरी भिटारी श्यामनगर और राजेंद्र जासयवाल ग्राम पोंड़ी पिथौराबाद, विधानसभा क्षेत्र 67 रामपुर बघेलान से पंकज सिंह ग्राम पोस्ट सोनौरा थाना अमरपाटन एवं प्रशांत पांडेय ग्राम हिनौती पोस्ट सिजहटा तथा विधानसभा क्षेत्र 65 मैहर से शिवम पाण्डेय उर्फशिब्बू वार्ड नंबर 13 मंगल भवन के पास मैहर और विधानसभा क्षेत्र 66 अमरपाटन से संतोष कुमार गुप्ता ग्राम अमिलिया हर्रई रामनगर के नाम शामिल हैं।

33 साल की सेवा पूर्ण कर सेवा निवृत्त हुए देवेन्द्र त्रिपाठी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शासकीय सेवा में पंचायत एवं सामाजिक न्याय विभाग में 33 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के पश्चात मुख्य कलाकार पद से श्री देवेंद्र त्रिपाठी अगस्त 2024 में सेवा निवृत्त हुए। कार्यालयीन दिवस में शुरु वार को कलेक्ट्रेट भवन के सामाजिक न्याय कार्यालय में सेवा निवृत होने पर देवेंद्र त्रिपाठी को विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाव भीनी विदाई दी। इस मौके पर उप संचालक सामाजिक न्याय सौरभ सिंह ने कहा कि देवेंद्र त्रिपाठी ने अपनी सेवा काल के दौरान कर्मठता और कुशलता के साथ दायित्वों का निर्वहन किया। अपने कार्यकाल के अनुभव और कार्य कुशलता से सामाजिक न्याय विभाग के नए कर्मचारियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। जनसंपर्क अधिकारी राजेश सिंह ने कहा कि पंचायत एवं समाज कल्याण विभाग में कार्यरत देवेंद्र त्रिपाठी और केके शुक्ला का जनसंपर्क कार्यालय से हमेशा जीवंत संपर्क रहा है। श्री त्रिपाठी ने सत्य-निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन किया। सेवानिवृत हो रहे देवेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि वर्ष 1991 से प्रारंभ की गई शासकीय सेवा का 33 वर्ष का लम्बा समय अधिकारियों, सहयोगी कर्मचारियों के परिवारेह और परस्पर सहयोग से 33 माह की तरह बीत गया। कार्यर म का संचालन कर रहे केके शुक्ला ने विभागीय कार्यों में देवेंद्र त्रिपाठी के सहयोगी कार्यकाल का स्मरण करते हुए उन्हें सुदीर्घ और सुखमय जीवन की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर महेंद्र सिंह तिवारी रीवा, नगर निगम के समग्र अधिकारी अनिल त्रिपाठी, जनसंपर्क विभाग से एलपी करोसिया, समयलाल पाण्डेय, राजबिहारी पटेल, संतलाल, शिवाजी चौधरी, रविराज सिंह सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण और महिला बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत अतरैला 11 के सरपंच पद के निर्वाचन प्रक्रिया स्थगित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के ग्राम पंचायत अतरैला 11 के उपनिर्वाचन की प्रक्रिया स्थगित कर दी गयी है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा पारित स्थगन आदेश के अनुक्रम में ग्राम पंचायत अतरैला 11 के सरपंच पद के लिए निर्वाचन प्रक्रिया स्थगित कर दी है।

मैहर कलेक्टर ने फोन पर सुनी आवेदकों की समस्यायें

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।मैहर जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में शुरु वार को कलेक्टर रानी बाटड ने प्रातः 11 बजे से 12 बजे तक दूरभाष नंबर 07674-299232 के माध्यम से जिले भर से स्थानीय नागरिकों के द्वारा की गई 9 शिकायतो को ध्यानपूर्वक सुना एवं संबंधित अधिकारी को निराकरण करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने हाईस्कूल भटीगवां के ग्राउंड में पानी भरने, प्राइवेट सवारी बस मालिको द्वारा मनमाना किराया लेने, सरकारी अस्पताल में दान किए गए प्राइवेट वार्ड में कबाड़ भरने, बाजार में अवैध अतिक्रमण, प्राइवेट जमीन पर कब्जा करने, घुनवारा से बसौरा रोड के निर्माण, मीसा बंदी कार्ड बनाने, यूनियन बैंक में बचत खाते में पैसा बैंक द्वारा रोक लगाने, मुकुंदपुर से अमरपाटन की बीच बना पुल क्षतिग्रस्त के संबंध में शिकायते प्राप्त की गई।

प्रातः 11 से 2 बजे तक बंद रहेगी बिजली

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड सतना के कार्यपालन अभियंता पंकज द्विवेदी ने बताया कि 220 केव्ही उपकेन्द्र कोटर अंतर्गत 33 केव्ही मेन बस मेंटीनेंस का कार्य किया जाना है। जिसमें 33 केव्ही डगडीहा नम्बर-1 एवं 2 तथा 33 केव्ही बाबूपुर व 33 केव्ही रामस्थान से ऊर्जित होने वाले 33/11 केव्ही उपकेन्द्र कोठरा मिक्स, डगडीहा, चूंद मिक्स एवं बाबूपुर, जेपी, नीमी, सरबहना, रामस्थान डीएल, रामस्थान एजी एवं घुंघचिहाई एजी, खम्हरिया डीएल से निकलने वाले समस्त 11 केव्ही फीडरों की सप्लाई प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक बंद रहेगी।

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ट्राफी जीतने वालों ने उप मुख्यमंत्री से की भेंट

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। खेल स्पर्धा वाल-वाल में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर ट्राफी जीतने वाले खिलाड़ियों ने उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल से राजनिवास सर्किट हाउस में भेंट की तथा उन्हें विजेता ट्राफी सौंपी। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हड़बड़ो जिला सीधी के खिलाड़ियों ने नेपाल में आयोजित वाल-वाल अन्तर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ट्राफी जीती है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विजेता खिलाड़ियों समीक्षा सिंह, मीनाक्षी सिंह, मधु सिंह, अंश सिंह एवं ओम सिंह को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी तथा उनका मुंह मीठा कराया। इन खिलाड़ियों ने सिंगल एवं डबल स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस दौरान अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, समाजसेवी विमलेश मिश्रा, टीम मैनेजर आशुतोष सिंह एवं कोच दिवाकर सिंह भी उपस्थित रहे।

कमिश्नर, डीआईजी और कलेक्टर ने अस्पताल में सुरक्षा प्रबंधों का लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संजय गांधी हास्पिटल, सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल तथा मेडिकल कालेज में डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मियों की सुरक्षा प्रबंधों की लगातार निगरानी की जा रही है। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद, डीआईजी साकेत प्रकाश पाण्डेय, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल तथा पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने संजय गांधी हास्पिटल का निरीक्षण कर सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया।

कमिश्नर ने कहा कि अस्पताल परिसर में पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मी तैनात करें। अनाधिकृत व्यक्तियों को अस्पताल में प्रवेश न दें। मरीजों के साथ एक या दो परिजनों को ही रूकने की अनुमति दें। आयुक्त नगर निगम अस्पताल परिसर में प्रकाश की उचित व्यवस्था कराएं। सीसीटीवी से निगरानी के लिए पर्याप्त संख्या में कैमरे लगाकर बड़े मॉनीटर के माध्यम से निगरानी की व्यवस्था करें। अधिकारियों ने ओपीडी, आकस्मिक चिकित्सा कक्ष, सीसीटीवी कक्ष तथा अन्य स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवणे, मेडिकल कालेज के डीन डॉ सुनील अग्रवाल, अधीक्षक डॉ राहुल मिश्रा तथा अन्य अधिकारी उनके साथ रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।